जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 63 प्रभात अजमेर, मंगलवार 1 अक्टूबर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मु.मंत्री चंद्रबाबू नायडू को लताड़ लगाई

'आप संवैधानिक पद पर बैठे हैं, बिना वैरिफाई किए कोई खबर जारी करना जिम्मेवारी का काम नहीं है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। राजनैतिक उद्देश्यों के लिए धर्म के उपयोग पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने आज आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को फटकार लगाते हुये कहा कि उन्होंने सुप्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति मंदिर में "प्रसादम" के रूप में लड्डू तैयार करने के लिये मिलावटी घी के उपयोग के बारे में सार्वजनिक बयान दे दिया। अदालत ने कहा कि सरकार द्वारा आदेशित जाँच के नतीजे की प्रतीक्षा किये बिना ही उनके द्वारा इस प्रकार का बयान देना सर्वथा अनुचित था।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई तथा के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा, "हम यह अपेक्षा रखते हैं कि भगवान राजनीति से दूर रखे जायें।" बैंच ने यह जानना चाहा कि जब इस मामले की जाँच के आदेश दिये जा चुके हैं तथा रिपोर्ट प्रतीक्षित है तो ऐसी स्थिति में क्या सार्वजनिक बयान देना जरूरी था।

बैंच ने कहा, "प्रथम दृष्टया, हमारा मानना है कि जब जाँच-पड़ताल प्रक्रियाधीन है, इतनी उच्च संवैधानिक सत्ता (नायडू) के लिये ऐसा बयान देना उचित नहीं था, जो करोड़ों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर सके।" बैंच ने यह तय करने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की सहायता चाही कि क्या आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित एस.आई.टी. जारी रहने देनी चाहिए या जाँच का काम किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंप दिया जाना चाहिये।

- सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा, तिरुपति मंदिर के प्रसादम में पशु चर्बी मिलाई जा रही है, इस बात की सरकार द्वारा शुरु कराई गई जाँच की रिपोर्ट आने तक मुख्यमंत्री नायडू को इतंज़ार करना चाहिए।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सरकारी जाँच रिपोर्ट आए बिना ही ऐसी घोषणा करना मामले का राजनीतिकरण करने जैसा है। बैंच ने कहा, "कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखिए।"
- सुप्रीम कोर्ट में प्रसादम में पशु चर्बी की मिलावट की स्वतंत्र जाँच की माँग करते हुए कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी, राज्यसभा सांसद और तिरुपति तिरुमला देवस्थान के पूर्व चेयरमैन वाय. सुब्बारेड्डी, इतिहासकार सम्पत, आध्यात्मिक गुरु दुष्यंत श्रीधर व पत्रकार सुरेश चव्हाण शामिल हैं। मामले पर अब 3 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

अदालत ने मेहता से कहा कि वे इस मुद्दे पर केन्द्र से निर्देश ले लें। इसके बाद, इस प्रकरण की अगली सुनवाई के लिये 3 अक्टूबर की तिथि मुकर्रर कर दी।

तिरुपति मंदिर में प्रसादम तैयार करने के लिये जानवरों की चर्बी के कथित प्रयोग की स्वतंत्र जाँच कराने की माँग करने वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुये, उच्चतम न्यायालय ने यह जानना चाहा कि क्या यह कहने का कोई प्रमाण है कि लड्डू बनाने में दूषित घी काम में लिया गया।

याचिकाकर्ताओं में शामिल हैं- भाजपा नेता सुब्रमन्यम स्वामी, वाई.वी. सुबा रेड्डी, जो राज्यसभा सांसद हैं और तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाले "तिरूपति तिरुमाला देवस्थानम" के पूर्व चेयरमैन हैं। इतिहासकार विक्रम सम्पत, आध्यात्मिक गुरु दुष्यन्त श्रीधर तथा सुदर्शन न्यूज एडिटर-इन-चीफ सुरेश चव्हाण।

मेहता ने कहा कि यह आस्था का मामला है तथा अगर तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने में दूषित घी का उपयोग हुआ था, तो यह अस्वीकार्य है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलकाता की एतिहासिक विरासत "ट्राम" बंद होंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। ममता बनर्जी ने ट्राम- सेवाएं बन्द करने का निर्णय लिया है। ज्ञातव्य है कि कोलकाता में पहली ट्राम 24 फरवरी, 1873 को चली थी। अभी हाल ही, 2013 में कोलकाता में ए.सी. ट्राम चलना शुरु हो गई है। लेकिन यह अभी तय नहीं है कि क्या सभी ट्राम एक साथ ही बन्द कर दी जायेंगी। इसके अलावा,

- पश्चिम बंगाल सरकार ने अंततः "ट्राम" सर्विस बंद करने का निर्णय ले लिया है। कोलकाता में 24 फरवरी 1873 को ट्राम सेवा शुरु हुई थी।

इन्हें बन्द करने की तिथि भी घोषित नहीं की गई है।

कोलकाता ऐसा एकमात्र शहर है, जहां ट्राम अभी भी चलती हैं। मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई, पटना तथा नासिक जैसे उपनिवेशीय नगरों में ये पहले ही बन्द हो चुकी हैं। कोलकाता अब तक अपनी इस "विरासत एवं सांस्कृतिक प्रतीक" को सहेजे हुये था, लेकिन वर्तमान सरकार ने इन्हें बन्द करने का निर्णय आखिर ले ही लिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी की हरियाणा के लिए सौगातें

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि महिलाओं के बैंक खाते में सीधे ही प्रतिमाह 2,000 रूपए डाले जाएंगे तथा गैस सिलैंडर 700 रूपए की बजाय 500 रूपए में मिलेगा। सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पैंशन योजना लागू की जाएगी। विधवाओं, बूढ़ों व दिव्यागों के लिए प्रति माह 6,000 रूपए दिये जाएंगे।

राहुल हरियाणा के अम्बाला जिले की नरसिंहगढ़ सीट पर एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे, जहाँ 5 अक्टूबर को चुनाव होना है। उन्होंने कहा कि जो पैसा केन्द्र सरकार ने अडानी-अम्बानी को दिया, उसे सरकार किसानों, मजदूरों, गरीबों व दलितों के सम्मान में खर्च करेगी।

राहुल ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने और कर्ज में राहत देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि यह सब बहुत आसान है क्योंकि कांग्रेस पैसा गरीबों को देगी, यह पैसा उन्हीं की जेब से छीना गया है। केन्द्र सरकार अडानी का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ करती है, हमारी योजना हरेक गरीब महिला के खाते में एक लाख रूपए ट्रांसफर करने की है। क्यों न किसानों के कर्ज माफ किए जाएं।

- राहुल गांधी ने महिलाओं के बैंक खाते मे प्रति माह 2,000 रूपए हस्तान्तरित करने, गैस सिलैंडर 500 रूपए में के देने की घोषणा की।
- राहुल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो पुरानी पैन्शन योजना वापस लायी जाएगी, साथ ही विधवाओं बुजुर्गों व दिव्यांगों को प्रति माह 6,000 रूपए दिए जाएंगे।
- राहुल ने कहा, केन्द्र सरकार अडानी का 16 लाख रूपए का कर्ज माफ करती है, हम चाहते हैं किसानों का कर्जा माफ हो। हम उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देते हैं।

उन्होंने 2 लाख राज्य कर्मचरियों से लेकर हरियाणा के युवा को उसके हक का सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि गरीबों को 100 गज के भूखंड दिए जाएंगे तथा घर बनाने के लिए साढ़े तीन लाख रूपए भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, 300 युनिट बिजली फ्री दी जाएगी। उन्होंने किसानों, मजदूरों और गरीबों के बैंक खातों में रूपए ट्रांसपर करने की बात कही।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा दस साल से सत्ता में है। उसने जनता को कोई सम्मान नहीं दिया, बल्कि देश की रक्षा कर रहे सैनिकों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान देश के अन्नदाता हैं। किसानों ने अपनी एकता से सरकार को तीनों काले कृषि कानून वापस लेने को मजबूर किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का युवा दिल्ली, मुम्बई व अन्य शहरों में जाता है काम के लिए, पर उसे अपने राज्य में सम्मान नहीं मिलता। जिन्हें अग्निवीर में शामिल होने का कहा गया है, उन्हें चार साल बाद बेरोजगारी से लड़ने को छोड़ दिया जाता है।

हरियाणा के युवा में आत्म सम्मान है। पहलवानों को सड़कों पर उतरना पड़ा। हरियाणा के युवा को आत्म सम्मान के लिए लड़ना पड़ा। वहीं राज्य की भाजपा सरकार सिर्फ घोटालों में उलझी रही।

दुनिया भर में बढ़ रही है भारत की वंदे भारत ट्रेन की मांग

कम लागत और अत्याधुनिक विशेषताओं के प्रति खास आकर्षण है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। कई देशों, जिनमें चिली, कैनडा, मिडिल ईस्टर्न देश, बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, यहाँ तक कि कुछ विकसित यूरोपियन देश भी शामिल हैं, ने अपने रेल सिस्टम का आधुनिकीकरण करने और परिवहन सेवा का विस्तार करने के लिए वंदे भारत को खरीदने में रुचि दिखाई है।

वंदे भारत ट्रेन का आधुनिक डिज़ाइन, अत्याधुनिक तकनीक और कम लागत तथा क्षेत्र की जरूरत के आधार पर बदलाव करने की विशेषता इन देशों को आकर्षित कर रही है।

इसकी सबसे प्रमख विशेषता है, कम लागत। ऐसी विशेषताओं वाली ट्रेन किसी अन्य देश में बनती है, तो उस पर 160-180 करोड़ रूपए की लागत आती है, पर भारत में एक ट्रेन के निर्माण पर 120 से 130 करोड़ रूपए की लागत आती है।

- वंदे भारत में वाई फ्राई, जी.पी.एस. स्वचालित दरवाजे और आरामदायक सीटें हैं। ऐसी ट्रेन बनाने में विदेश में 160 से 180 करोड़ रु. लगते हैं, पर वंदे भारत ट्रेन के निर्माण में 120 से 130 करोड़ रु. की ही लागत आती है।
- यही वजह है कि चिली, इण्डोनेशिया, मलेशिया, बांग्लादेश, अरब देश, दक्षिण अफ्रीका व कैनडा ये ट्रेन खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। यही नहीं, विकसित यूरोपियन देश भी ये ट्रेनें खरीदना चाहते हैं।
- वंदे भारत ट्रेन मात्र 52 सैकण्ड में 0 से 100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ लेती है और इसने जापान की बुलेट ट्रेन को भी मात दे दी है, जिसे ऐसा करने में 54 सैकण्ड लगते हैं। इसके अलावा यह हवाई जहाज की तुलना में 100 गुना कम शोर करती है और ऊर्जा की खपत भी कम होती है।

रफ्तार पकड़ने के मामले में भी वंदे भारत प्रतिद्वंदियों को मात दे सकती है। शून्य से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ने में वंदे भारत को मात्र 52 सैकण्ड लगते हैं। यहाँ तक कि जापान की बुलेट ट्रेन को भी इसमें 54 सैकण्ड लगते हैं।

हवाई जहाज की तुलना में वंदे भारत ट्रेन में 100 गुणा कम शोर होता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। प्रख्यात अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिये "दादा साहेब फालके" अवॉर्ड दिये जाने की घोषणा सोमवार को कर दी गई। उन्हें यह अवॉर्ड विज्ञान भवन में अक्टूबर में आयोजित होने वाले इंडियन नैशनल फिल्म अवॉर्ड समारोह में दिया जायेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी

- प्रधानमंत्री मोदी ने मिथुन चक्रवर्ती को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

वैष्णव ने सलैक्शन जूरी द्वारा घोषित अवॉर्ड की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा: "मुझे बड़ी खुशी है कि मिथुन चक्रवर्ती जी को प्रतिष्ठित दादा साहेब फालके अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। यह अवॉर्ड उन्हें भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिये दिया जा रहा है। वे उनके विविधतापूर्ण प्रदर्शन के लिये सभी पीढ़ियों के प्रशंसित सांस्कृतिक नायक हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं।"

'जूनियर डॉक्टर्स से किए गए वादों पर काम क्यों नहीं हो रहा?'

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। कोलकाता के आर.जी. कार मैडिकल कॉलेज में हुई युवा लेडी डॉक्टर की नृशंस हत्या के केस में सुप्रीम कोर्ट ने जूनियर डॉक्टरों द्वारा उठाए गए मुद्दों को त्वरित गति से संबोधित करने में असफल रहने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार से पूछा कि जूनियर डॉक्टरों से जो वादे किए गए थे, वो काम इतनी धीमी गति से क्यों चल रहे हैं। जितने भी काम करवाने के वादे किए गए थे, उनमें पचास प्रतिशत प्रगति भी नहीं हुई है। इनमें सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाना तथा जूनियर डॉक्टरों के लिए सुविधाओं का निर्माण करवाना शामिल है।

जितना काम हुआ है, उसका रिव्यू करने के बाद, चीफ जस्टिस ने कहा कि जो काम करवाने का वादा किया गया था, उनमें बहुत धीमी प्रगति रही है।

जूनियर डॉक्टर, जो मूलतः मैडिकल ट्रेनी हैं, ने हत्या के केस में आरोपी की शिनाख़्त तथा माकूल मुकदमा चलाने की मांग की है। उन्होंने बीमारों की देखभाल के समय जूनियर डॉक्टरों के लिए समुचित सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने की मांग भी की है।

- चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ ने कहा, सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाने, टॉयलेट व रैस्ट रूम जैसी सुविधाओं के निर्माण में सरकार बहुत धीमी गति से काम कर रही है।
- इतने बड़े हादसे के बाद भी राज्य सरकार डॉक्टर्स की सुरक्षा के प्रति लापरवाह बनी हुई है। हाल ही में एक सरकारी अस्पताल में मरीज़ की मौत पर डॉक्टरों और नर्सों के साथ मरीज़ के परिजनों ने मारपीट की।

जूनियर डॉक्टरों ने शिकायत की थी कि उनको न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं मिली हुई हैं, जैसे कि लंबी ड्यूटी के बाद आराम करने की जगह, समुचित सुरक्षा व्यवस्था तथा सुचारु ढंग से काम करने के लिए आवश्यक इसी प्रकार की अन्य सुविधाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण स्थानों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे इन्स्टॉल करने, जूनियर डॉक्टरों के लिए सुविधाओं और विशिष्ट टॉयलट सुविधाओं जैसे कार्यों की प्रगति को मॉनिटर किया।

तथापि, सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई मॉनिटरिंग में सामने आया कि राज्य सरकार को सुपुर्द किए गए अधिकतर कार्य हुए नहीं हैं। सी.सी.टी.वी. कैमरे नहीं लगे हैं और ना टॉयलैट सुविधाओं का निर्माण किया गया है।

दोनों तरफ से दिए गए "वर्क कम्पलीशन डेटा" तथा दस्तावेजों की जांच करने के बाद, कोर्ट ने महसूस किया कि इन कार्यों में नाम मात्र की प्रगति भी नहीं हुई है।

इतना ही नहीं, हिंसा की नई घटनाएं सामने आई हैं। राज्य सरकार के अस्पताल, सागर दत्ता मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में एक मरीज की मृत्यु के बाद, वहाँ के डॉक्टरों और नर्सों को जनता के घूसों और धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ा।

मरीज के रिश्तेदारों ने डॉक्टरों के साथ मार पिटाई की है। इस घटनाक्रम ने स्थिति को और जटिल कर दिया है तथा इससे सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था का अभाव सामने आया है।

वायु सेना के नये प्रमुख ने कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली, 30 सितम्बर। एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी के सोमवार को सेवानिवृत होने पर एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने वायु सेना के नये प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया।

वायु सेना के अनुसार, एयर चीफ मार्शल चौधरी ने वायु सेना प्रमुख के रूप में तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर वायु सेना मुख्यालय में एयर चीफ मार्शल सिंह को वायु सेना की कमान सौंपी।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने सुबह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्हें

- एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह को विभिन्न प्रकार के विमानों पर 5000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।

वायु सेना मुख्यालय वायु सेना भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने नये वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल सिंह को कार्यभार सौंपा। एयर चीफ मार्शल सिंह फरवरी 2023 से वायु सेना उप प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस मौके पर वायु सेना के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एयर चीफ मार्शल सिंह को 21 सितम्बर को नया वायु सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्हें दिसंबर 1984 में भारतीय वायु सेना की फाइटर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र सरकार ने गाय को "राज्य माता" घोषित किया

मुंबई, 30 सितंबर। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को भारत में गायों के सांस्कृतिक महत्व और उसकी परंपराओं का हवाला देते हुए गाय को "राज्य माता" घोषित करने का आदेश जारी किया।

- महाराष्ट्र मंत्रिमण्डल ने देशी गायों के पालन -पोषण के लिये 50 रुपये प्रतिदिन की सब्सिडी योजना लागू करने का भी निर्णय लिया है।

आधिकारिक आदेश में महायुति सरकार ने कहा कि गाय भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और प्राचीन काल से ही इसका आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सैन्य महत्व रहा है।

आधिकारिक अधिसूचना में शिंदे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आदमखोर पैंथर ने पुजारी को सातवां शिकार बनाया

उदयपुर शहर से सटे बड़गांव उपखंड में पैंथर पहुँचने से दहशत फैली

उदयपुर, 30 सितम्बर (निसं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र के गांवों में आतंक फैला रहा आदमखोर पैंथर गोगुंदा से बड़गांव पहुंच गया है, जहां सोमवार तड़के उसने सातवां इंसानी शिकार किया। आदमखोर पैंथर उदयपुर शहर से सटे बड़गांव उपखंड क्षेत्र की मदार पंचायत के राठौड़ों का गुढ़ा गांव में मंदिर के पुजारी, विष्णु गिरी को मारकर खा गया। मंदिर से 400 मीटर दूर मक्के के खेत में पुजारी का क्षत-विक्षत शव मिला है। सूचना मिलने पर कलेक्टर अरविंद पोसवाल सहित पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए गांव के स्कूल की छुट्टी कर दी गयी है और ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने बताया कि पैंथर आदमखोर हो चुका है और अब वह बार.बार इंसानों पर ही हमले करेगा। आमदखोर पैंथर के पैटर्न को देखते हुए विशेषज्ञ बता रहे हैं कि एक शिकार के बाद अगला शिकार वह 4 से 5 किलोमीटर के रेडियस में कर रहा है। पुलिसकर्मी, वनकर्मी और आर्मी के जवान और ग्रामीणों की 20 अलग-अलग टीमें बनायी गयी हैं, ये सभी टीमें वनक्षेत्र और आस-पास के संभावित स्थानों पर आदमखोर पैंथर की तलाश कर रही हैं। पुलिस डॉग स्क्वॉड तथा आर्मी के अत्याधुनिक उपकरणों का भी उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों को लाउड स्पीकर के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है कि आने वाले दो-तीन दिन घर के बाहर न सोएं, रात को घर से बाहर न निकलें और जब भी

- विशेषज्ञों के अनुसार, पैंथर एक शिकार के बाद 4 से 5 किलोमीटर के रेडियस में दूसरा शिकार कर रहा है। पुलिस, वन विभाग, सेना व ग्रामीणों की 20 टीमें पैंथर की तलाश में लगी हैं।

घर से बाहर निकलें तो समूह बनाकर ही जाएं।

राठौडों का गुढ़ा के ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात, गवरी कार्यक्रम के चलते रात तीन बजे तक गांव में चहल-पहल थी। रात तीन बजे तक ग्रामीणों ने पुजारी विष्णु गिरी को देखा भी था।

पुजारी मंदिर के बाहर सो रहे थे। सुबह जब लोग मंदिर पहुंचे तो जमीन पर खून पड़ा देख उन्हें अंदेशा हुआ। कुछ ही देर में सैकडों ग्रामीण इकट्ठे हो गए। आसपास पुजारी की तलाश की तो करीब 400 मीटर दूर मक्के के खेत में पुजारी का क्षत-विक्षत शव मिल गया। पैंथर ने पिछले शिकारों की तरह ही, पुजारी का शिकार कर शव खाया था। मौके पर पैंथर द्वारा हमले के निशान भी मिले, जिसके बाद ग्रामीणों ने सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व पुलिस को सूचना दी। उदयपुर में पैंथर ने 11 दिन में 7 लोगों का शिकार कर लिया है।

घटना की सूचना मिलने पर डी.एफ.ओ. अजय चित्तौड़ा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाया।

पिछले दिनों हुए कुछ हमलों के बाद वन विभाग अब तक चार पैंथर पकड़ चुका है, फिर भी हमले नहीं रुक रहे हैं। लेकिन, अब तक ये पता नहीं चल पा रहा है कि ये हमले एक ही पैंथर ने किये या अलग-अलग पैंथर हैं। लगातार हो रहे इन हमलों ने वन विभाग और प्रशासन को चिंता में डाल दिया है।

पैंथर के हमले उदयपुर के गोगुंदा और झाडोल में हुए हैं। हमले में पैंथर किसी का हाथ उखाड़ कर ले गया तो किसी का सिर धड़ से अलग कर दिया। 28 सितंबर की रात हुए हमले में मौत का शिकार हुई महिला गट्टू बाई का एक हाथ आज तक नहीं मिला। सिर पर इतने पंजे मारे कि गिनना भी मुश्किल था। उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने रविवार को वन विभाग और पुलिस प्रशासन के साथ मीटिंग की।

बैठक में तय किया गया कि उदयपुर में इको सिस्टम ठीक करने के लिए हिरण, सांभर और खरगोश जैसे जानवरों को गोगुंदा और झाड़ोल के इलाकों में छोड़ा जाएगा। एक वैन चलाई जाएगी जो गांव-गांव जाकर लोगों से अपील करेगी कि अकेले वन्य क्षेत्र में न तो मवेशी चराने और न चारा लेने के लिए ही जाएं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से बातचीत में सामने आया है कि इलाके का इको सिस्टम दुरुस्त किया जाना चाहिए। इसके अलावा और भी कई गैप सामने आए हैं। इन्हें आगामी दिनों में ठीक करने का प्रयास किया जायेगा।

विचार बिन्दु

मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। –महात्मा गांधी

क्या यही सुशासन है?

क्या आप सोचते हैं कि राजस्थान के नागरिकों को सुशासन मिल रहा है? यदि आपका उत्तर 'हां' है, तो एक बार निम्न परिदृश्यों पर दृष्टि अवश्य डालें और उसके बाद अपनी अंतिम राय बनाएं।

परिदृश्य –1 गत सप्ताह भरतपुर में एक 6 वर्षीय बालिका पर घर के बाहर आवारा कुत्तों ने आक्रमण करके उसके चीथड़े–चीथड़े कर दिए और वह दुनिया से विदा हो गई। यह घटना कोई पहली नहीं है और न ही आखिरी। इससे पहले भी जयपुर एवं अन्य शहरों में पालतू एवं आवारा कुत्तों द्वारा अबोध, निरपराध व्यक्तियों को घायल किया गया अथवा मार दिया गया। न केवल कुत्तों, अपितु आवारा गायों एवं सांडों के द्वारा भी जयपुर के विभिन्न मार्गों में आने–जाने वाले राहगीरों को सदैव, सींगों से मारे जाने/ घायल किए जाने का खतरा बना रहता है।

हमारे एक परिचित के घर के बाहर, बहुत बड़ी संख्या में आवारा पशु एकत्रित होने लगे तो उन्होंने इसकी शिकायत नगर निगम में की । पता लगा कि ये सभी किसी डेयरी की पालतू गायें थीं, जिन्हें खुले में छोड़ दिया गया था। नगर निगम द्वारा उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जाती । जब उन्होंने नगर निगम में शिकायत की तो उनके घर पर कुछ लठैत पहुंच गए और धमकी देने लगे कि यदि अब इस बारे में आपने कुछ भी किया तो आपका घर से निकलना भी मुश्किल हो जाएगा। अपने परिजनों और स्वयं की जान की परवाह करते हुए उन्होंने इस बारे में न केवल चुप्पी साध ली अपितु उन्हें पशुओं के मालिक से माफी तक मांगने को मजबूर किया गया। नगर निगम के अधिकारी संभवतया, डेयरी मालिकों से नियमित वसूली करते हैं। यह समस्या न केवल एक मोहल्ले की नहीं, अपितु पूरे जयपुर शहर की है।

परिदृश्य –2 इस वर्ष जयपुर में औसत की दुगनी से भी अधिक वर्षा हुई, जिसके कारण बीसलपुर सहित लगभग सभी बांध न केवल भर गए बल्कि उनमें से बड़ी मात्रा में अतिरिक्त पानी व्यर्थ बह गया। इतनी अधिक वर्षा के बावजूद जयपुर की कई कॉलोनियों में पेयजल की आपूर्ति लगभग नहीं के बराबर है। लोगों को निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिसका काम ही नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराना है, के अधिकारी स्वयं लोगों को पानी के टैंकर खरीदने की लिए सलाह दे रहे हैं। इस बारे में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को अनेक बार शिकायत बावजूद भी कोई सुधार नहीं हुआ । यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा कि टैंकर सप्लाई करने वाले ठेकेदारों और पेयजल विभाग के अधिकारियों की कोई साठ–गांठ है। यह भी संभव है कि टैंकरों के ठेकेदार, दो जगह से भुगतान प्राप्त कर रहे हों – विभाग से और संबंधित कॉलोनी के नागरिकों से भी। इसे आप और कुछ भी कहें, सुशासन तो नहीं ही कह सकते हैं।

परिदृश्य –3 कुछ दिन पूर्व हमारे एक निकट परिचित के घर की विद्युत आपूर्ति वाली केबल को नगर निगम का तेज गति से चलने वाला ट्रक तोड़कर निकल गया। इसके कारण उनके घर की विद्युत आपूर्ति बंद हो गई । यह बात सांय 5:00 बजे की है। उन्होंने संबंधित फोन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कर दी और कई बार उन्हें स्मरण करने के बाद भी कोई से ठीक करने वाला नहीं आया। जब उन्होंने मुझे लगभग 7:00 बजे फोन कर यह बताया तो जयपुर विद्युत वितरण निगम के पुराने परिचित अधिकारियों को फोन किया । उन्होंने सहायता देने का आश्वासन दिया। इसके बाद लगभग 9:00 बजे हमारे परिचित के पास एक संदेश फोन के माध्यम से आया कि उनकी विद्युत आपूर्ति चालू कर दी गई है। यह एक दम गलत था क्योंकि जे वी वी एन एल की कोई टीम नहीं आई और स्थिति वही थी। एक बार फिर संबंधित अधिकारियों को फोन कर बताया। तब जाकर, लगभग 10 बजे कर्मचारी आए और उन्होंने केबल बदलकर विद्युत आपूर्ति प्रारंभ की। इस दौरान उनके वयोवृद्ध पिताजी बिजली के अभाव में परेशान होते रहे। पहले उन्होंने उपभोक्ता से केबल लाने हेतु कहा। विचित्र बात कि नगर निगम के ट्रक ने टक्कर मारकर केवल तोड़ और वे उस पर कोई ध्यान न दे, किंतु उपभोक्ता को केबल लाने के लिए कहें।

परिदृश्य –4 राजस्थान में शराब की दुकानें बंद होने का समय रात्रि 8 बजे है। यह आम दृश्य है कि 8 बजे के बाद देर रात तक इन दुकानों से शराब बेची जाती है। यदि आप कार या मोटर साइकिल से इन दुकानों के पास से गुजरें तो आपके पास कोई व्यक्ति पहुंच जाएगा जो आपके गाड़ी में ही शराब उपलब्ध करा देगा। इस बारे में मीडिया में सचित्र खबरें आती रहती हैं किंतु अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। इन दुकानों के पास की लाइटों तो तोड़ कर बंद कर दिया जाता है ताकि अंधेरे में इस अवैध बिक्री को आसानी से किया जा सके। अंधेरे के कारण भले घरों की महिलाओं और परिजनों के लिए वहां से निकल पाना भी असंभव हो जाता है।

यह एक सामान्य धारणा बनती जा रही है कि देश में राज कानून का नहीं है। जिस सरकार में कानून का राज नहीं हो, वहां सुशासन का तो प्रश्न ही नहीं उठता। उपरोक्त 11 उदाहरणों से तो यही सिद्ध होता है कि राजस्थान सुशासन से अभी कोसों दूर है। सरकार को केवल उपरोक्त परिस्थितियों से जनता को बचाना है। तब ही, सुशासन की केवल बात नहीं अपितु नागरिकों को अनुभव भी होगा।

परिदृश्य –5 राजस्थान की कई नदियों से बजरी खनन करने पर उच्चतम न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय की रोक है। इसके बावजूद, यह सामान्य जानकारी है कि जयपुर में विभिन्न सड़क मार्गों से बजरी के ट्रक और ट्रैक्टर प्रतिदिन हजारों की संख्या में शहर में प्रवेश करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सिरोही जिले में एक ट्रक से लगभग 500 की वसूली की जाती है । यदि प्रतिदिन 1000 ट्रक निकलते हैं तो उनसे लगभग 5 लाख रुपए प्रतिदिन अर्थात डेढ़ करोड़ रुपये प्रतिमाह और एक साल में लगभग 20 करोड रुपए की वसूली पुलिस एवं खनन विभाग के लोगों द्वारा अवैध रूप से की जाती है। क्या इस सुशासन कहेंगे?

जब अधिकारियों का प्रमुख उद्देश्य ही अवैध रूप से वसूली करना हो जाए तो कानून के पालन की बात करना ही बेमानी हो जाएगा ।

परिदृश्य–6 केंद्र सरकार ने आदेश जारी किए हैं कि कोचिंग संस्थान में किसी को 16 वर्ष की उम्र से पहले प्रवेश नहीं दिया जाएगा, किंतु किसी भी कोचिंग संस्थान में चले जाएं , वहां 16 साल के कम आयु के बच्चे बड़ी संख्या में धड़ल्ले से पढ़ते हुए मिल जाएंगे। कई बड़े–बड़े निजी विद्यालयों ने तो अपने परिसर में ही कोचिंग संस्थान को कक्षा चलाने के लिए स्थान उपलब्ध करा दिया है। उनके स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से स्कूल और कोचिंग संस्थान दोनों फीस वसूल करते हैं। स्कूल द्वारा वसूल की गई फीस विशुद्ध आय का साधन बन जाती है क्योंकि बच्चों को पढ़ने के लिए उन्हें कोई शिक्षक रखने की आवश्यकता नहीं है । शिक्षक तो कोचिंग संस्थान वाले स्वयं अपने अनुसार लगाते हैं। प्रश्न यही है कि जब सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 16 साल से कम बच्चों को कोचिंग में भर्ती करने पर रोक लगा रखी है, तो फिर यह स्थिति क्यों और कैसे है ?

परिदृश्य–7 पुलिस के नियम अनुसार किसी भी सार्वजनिक मार्ग पर वाहन खड़ा करना वर्जित है। पार्किंग केवल वहीं की जा सकती है जहां 'पार्किंग' का बोर्ड लगा हो। पार्किंग के बोर्ड बहुत कम जगह लगे हैं । वास्तव मे सड़कों का आधे से अधिक हिस्सा वाहनों की पार्किंग के काम आ रहा है। जयपुर में लगभग 90 प्रतिशत वाहन अवैध रूप से सड़कों पर खड़े रहते हैं। यह पुलिस की मनमर्जी पर है कि वह कब आपका वाहन किसी खुली सड़क से भी उठाकर ले जाए। आप जयपुर की किसी भी सड़क पर चले जाएं, चाहे शहर के अंदर हो या बाहर, सड़कों का आधे से अधिक भाग वाहनों की पार्किंग के ही काम आ रहा है। वाहनों के आवागमन के लिए जगह ही नहीं बचती है। सवाल यही है कि सरकार के कानून का क्या हुआ? सुशासन का तो अर्थ ही यही है कि कानून का राज हो और उसे स्थापित करने का दायित्व सरकार का है।

परिदृश्य –8 आवासीय भवनों का व्यवसायिक उपयोग कानूनन नहीं किया जा सकता। वास्तव में जयपुर की लगभग सभी आवासीय कॉलोनियों में होटल, कोचिंग संस्थान, क्लीनिक, दुकानें आदि बने हुए हैं। उच्च न्यायालय के अनेक निर्णय एवं निर्देशों के बावजूद अभी तक इनमें से अधिकांश ने अपने भूमि उपयोग का परिवर्तन नहीं कराया है और रूपांतरण की कार्रवाई नहीं हुई है। इस के कारण इन स्थानों पर सड़कों से निकलना ही मुश्किल हो गया है। छोटे छोटे भू खंडों में बहु मंजिला व्यावसायिक परिसर बनने से पानी, सिवरेज और सड़कों पर अत्यधिक दबाव हो गया है। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

परिदृश्य –9 बिना बिल के सामान बेचने से सरकार को जीएसटी नहीं मिलती है। यह माना गया था कि जीएसटी आने के पश्चात, कर चोरी समाप्त हो जाएगी, किंतु इस पर कोई अंतर नहीं पड़ा है। यदि कोई ग्राहक कानून की पालना करने की दृष्टि से बिल मांगता है तो, दुकानदार कहता है कि आपको और अधिक राशि देनी पड़ेगी। इसका अर्थ यही हुआ कि अधिकांश बिक्री दुकानों पर बिना जीएसटी के होती है । यदि यह सारा जीएसटी वसूल हो जाए तो सरकार की आय कितनी बढ़ सकती है, इसका केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है । बिल मांगने वाले ग्राहक को अधिकांशतया मूर्ख या खलनायक ही माना जाता है।

परिदृश्य– 10 वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की बात कई सालों से की जा रही है। इसके लिए अंतिम तिथि भी निर्धारित कर दी जिसका मीडिया में बहुत प्रचार–प्रसार भी किया गया। जिन लोगों को प्रयास के बावजूद हाइ सिक्योरिटी प्लेट लगवाने की कोई तिथि नहीं मिल पा रही थी, उन्हें निर्धारित शुल्क 700 रुपए के स्थान पर 2000 रुपए तक एजेंट को देने पड़े। कुछ दिनों पूर्व राजस्थान के परिवहन मंत्री ने यह बयान दे दिया कि हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की अनिवार्यता नहीं है । सरकार के इस एक अनिर्णय के कारण करोड़ों रुपए वाहन मालिकों को खोने पड़े। यदि कोई निष्पक्ष संस्था इसका ऑडिट करे कि किसी भी सरकारी विभाग के जो कानून हैं, उनका पालन कितना हो रहा है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि कानून केवल किताबों की शोभा बढ़ा रहे हैं और वास्तविकता में उनकी क्रियान्विति लगभग नगण्य है । जिस कानून के नितांत अव्यावहारिक होने के कारण उसका उल्लंघन 90 प्रतिशत लोग कर रहे हैं, उसे लागू कराया जाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में कानून, केवल भ्रष्टाचार को बढ़ाने का ही काम करता है। कानून व्यावहारिक हो और उसका पालन करना सरल हो तो, कुछ लोग जो अपवाद स्वरूप इसकी अवहेलना कर रहे हों, उन पर कठोरतम कार्रवाई की जा सकती है।

यह एक सामान्य धारणा बनती जा रही है कि देश में राज कानून का नहीं है। जिस सरकार में कानून का राज नहीं हो, वहां सुशासन का तो प्रश्न ही नहीं उठता। विभागीय अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किए बिना सुशासन की कल्पना बेमानी है। उपरोक्त 11 उदाहरणों से तो यही सिद्ध होता है कि राजस्थान सुशासन से अभी कोसों दूर है। सरकार को केवल उपरोक्त परिस्थितियों से जनता को बचाना है। तब ही, सुशासन की केवल बात नहीं अपितु नागरिकों को अनुभव भी होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ई–रिक्शा: रोजगार का साधन या व्यापार का जरिया?

सुनील दत्त गोयल

भारत और विशेष रूप से राजस्थान में, ई–रिक्शा चालकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। यह एक ओर आम नागरिकों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण साधन बनता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसे व्यावसायिक मुनाफे के लिए उपयोग कर रहे हैं। इस प्रथा में, बड़ी संख्या में ई–रिक्शा खरीदे जाते हैं और इन्हें किराए पर चलाने के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

ई–रिक्शा खरीदने और उन्हें किराए पर चलाने की इस प्रथा ने एक नया व्यापार मॉडल तैयार कर दिया है। सामान्यत:, एक व्यक्ति 10, 15, 20, या 50 तक ई–रिक्शा खरीद लेता है और उन्हें बड़े पैमाने पर किराए पर देता है। गरीब और बेरोजगार व्यक्ति, जिनके पास खुद का ई–रिक्शा खरीदने के लिए पैसे नहीं होते, वे इन्हें 200 से 500 रुपये प्रतिदिन के किराए पर लेते हैं।

हालांकि, इस प्रथा में कई समस्याएं उभरकर सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह व्यापार मॉडल रोजगार की तुलना में व्यावसायिक मुनाफे पर अधिक केंद्रित है। इसे सूदखोरी का एक नया रूप माना जा सकता है, जिसमें उच्च किराए के चलते गरीब चालकों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। इसके अलावा, एक ही व्यक्ति या कंपनी द्वारा बड़ी संख्या में ई–रिक्शा का स्वामित्व शहरों में ट्रैफिक जाम का प्रमुख कारण बन रहा है। अधिक रिक्शाओं के चलते सड़कों पर भीड़ बढ़ रही है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

ई–रिक्शाओं की अधिकता से सड़कों पर यातायात की गति धीमी हो जाती है, विशेषकर व्यस्त बाजारों और शहरी क्षेत्रों में। इस स्थिति ने पैदल यात्रियों और अन्य वाहनों के लिए भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में, ई–रिक्शाओं की लंबी कतारें ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न करती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। सरकार को इस समस्या का समाधान करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए, जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे इस प्रकार के ई–रिक्शा के पंजीकरण की स्कैनिंग करें। यदि किसी एक व्यक्ति या पते पर असामान्य संख्या में ई–रिक्शा पंजीकृत पाए जाते हैं, तो उनका पंजीकरण रद्द किया जाना चाहिए। इस प्रकार के कदम उठाकर, न केवल सूदखोरी पर अंकुश लगाया जा सकेगा, बल्कि जरूरतमंद नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जा सकेंगे।

इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए, ई–रिक्शाओं के लिए विशेष लेन बनाने या समय सीमा तय करने जैसे उपाय भी अपनाए जा सकते हैं। इस तरह की नीतियों से न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान होगा, बल्कि यह क्षेत्र एक स्वस्थ और स्थायी रोजगार का स्त्रोत भी बन सकेगा। सरकार और स्थानीय प्रशासन को मिलकर इस दिशा में काम करना चाहिए ताकि ई–रिक्शा चालक समुदाय की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके और यातायात व्यवस्था भी सुचारू रहे। धन्यवाद।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जयपुर, राजस्थान

डायबिटीज भोजन का वैज्ञानिक विश्लेषण

डॉ. रामावतार शर्मा

डायबिटीज एक दीर्घकालिक रोग है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने त्वरितकालिक रोगों के पचार में तो शानदार सफलताएं हासिल की हैं पर, सारे प्रयत्नों और अनुसंधानों के बावजूद दीर्घकालिक रोगों के मामले में कोई विशेष सफलता नहीं मिलीं है। सारे प्रयत्नों के बावजूद ऐसे रोगों में थोड़ा बहुत नियंत्रण या फिर उनका एक दो प्रतिशत निवारण ही मिल पाया है। मधुमेह भी ऐसा ही एक रोग है जहां एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी और नैचुरोपैथी के प्रैक्टिशनर दावे तो बड़े जोर से करते हैं पर कुछ मात्रा में रोग नियंत्रण के अलावा कोई बड़ी संतोषजनक और सर्व व्यापक सफलता हासिल नहीं हुई है। आजकल सोशल मीडिया पर इस क्षेत्र में कई महागुरुओं (?) का भी अवतरण हुआ है जो चमत्कारिक परिणामों का दावा करके लोगों को भ्रमित करते हैं। कुछ ऐसे तथाकथित महाज्ञानी भी हैं जिन्होंने सीधे तौर पर अपने जीवन में एक भी रोगी नहीं देखा पर मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोगों को रोगमुक्त करने के दावे ठोकते रहते हैं। धन लाभ की लालसा नैतिक मूल्यों को कहीं पर धकेल देती है।

डायबिटीज नियंत्रण के लिए जीवनशैली परिवर्तन एक ऐसा मार्ग है जहां रोगी को सर्वाधिक लाभ हो सकता है और उसका आर्थिक बोझ भी कम हो सकता है क्योंकि जो फायदे होंगे उनमें मधुमेह नियंत्रण के अलावा उच्च रक्तचाप, कैंसर रोकथाम, मस्तिष्क संबंधी विकार और मानसिक तनाव जैसी स्थितियों में भी लाभ मिलेगा। जीवनशैली दीर्घायु और सामाजिक सार्थकता भी प्रदान करती है। सार्थक जीवनशैली में भोजन की गुणवत्ता एक अतिमहत्वपूर्ण पक्ष है जो हमारे तन और मन दोनों को तरोताजा एवम् तंदुरुस्त रखता है। यहां बात चाहे डायबिटिक भोजन पद्धति की हो परंतु लाभ सभी दीर्घकालिक रोगों के नियंत्रण या रोकथाम दोनों में कुछ न कुछ सीमा तक अवश्य होगा। इसलिए इस बात को ग्रहण करना बेहतर होगा।

ऐसा लगता है कि सभी दीर्घकालिक रोगों का एक प्रमुख कारण शरीर की कोशिकाओं में इन्फ्लेमेशन (प्रज्वलन) के फलस्वरूप उत्पन्न सूजन होता है और संतुलित भोजन इस सूजन में कमी लाता है जिसके फलस्वरूप दीर्घकालिक रोगों की उत्पति पर लगाम लगना संभव होता है।

डायबिटीज के इलाज का प्रथम बिंदु भोजन परिवर्तन है जो कि व्यवसायीकरण के फलस्वरूप दवा की गोली द्वारा परास्त हो गया है पर अब समय आ गया है कि इस बिंदु को इसका स्थान फिर से दिया जाए। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो अपने खानपान में निम्न लिखित परिवर्तन करें। सर्वप्रथम तो गेहूं को सामान्य चक्की की बजाय पत्थर की चक्की में पीसें। गेहूं बुरा अन्न नहीं है बशर्ते इसे छिलके के साथ पत्थर की चक्की में पीसा जाए। चाहे आप महिला हों या पुरुष, यदि आप डायबिटिक हैं तो अपने घर में पत्थर की चक्की से आटा पीसें। रेशे से भरपूर होगा यह आटा, चक्की चलाने से आपके पेट की चर्बी कम होगी और आपकी कमर पतली होने से आप पर वस्त्र भी अच्छे फबेंगे। करिए यह कार्य और स्वास्थ्य पाने की दिशा में पहला कदम उठाइए। विद्युत चालित पत्थर चक्की भी काम में ली जा सकती है। बंद कीजिए मैदा, फ्रूट ब्रेड, टोस्ट आदि सब कुछ और प्रारंभ कीजिए मिस्सी या बेजड़ की रोटी और देखिए ब्लड शुगर के स्तर की गिरावट।

मजे से सेवन कीजिए सेव, खुमानी का आनंद लीजिए, काली बेरी, नीली बेरी, अंगूर, आड़ू, आलूबुखारा, रसभरी और स्ट्राबेरी का आप डायबिटिक हो कर भी आनंद ले सकते हैं। सूखे फल और मेवे, मतीरा या तरबूज, पाइन एप्पल, केला और खजूर सीमित मात्रा में सेवन करें। फल का रस कम मात्रा में लें। शकरकंद और याम मजे से उपभोग करें। आज से आलू की मात्रा कम कीजिए और शकरकंद अपनाइए। ओट्स एक शानदार खाद्य पदार्थ है, आराम से बेधड़क सेवन कीजिए। कच्चे बादाम, कच्चे काजू, कच्चे अखरोट, कच्ची मूंगफली और सूरजमुखी के बीजों का संतुलित सेवन बिना किसी हानि के किया जा सकता है। काले चने, पिंटो और हरी फली के साथ अन्य किसी भी फली के उपयोग की स्वतंत्रता एक डायबिटिक को है। यदि सामाजिक मान्यता बीच में न आए तो लहसुन, चर्बी वाली मछलियां और दही का सेवन आराम से किया जा सकता है।

अंत में जो बातें महत्वपूर्ण हैं उनमें से पहली तो व्यक्ति में रोग की स्थिति है। यदि रोग लंबे समय से और अच्छी तरह से नियंत्रित नहीं है तो आप अपने चिकित्सक की सलाह से उपरोक्त भोज्य पदार्थों की मात्रा में परिवर्तन करें। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु भोजन का समय है जो आपको जीवनपर्यंत बेहतर स्वास्थ्य की स्थिति में रख सकता है। आपका सुबह का खाना 10 बजे के आसपास और रात का खाना 6.30 के आसपास पर हर हालत में 8 बजे से पहले होना चाहिए। भोजन का पूर्ण पाचन होने में 3 घंटे का समय लगता है, आपका लिवर रात के 11 बजे निंद्रा की स्थिति में चला जाता है जिसके फलस्वरूप आप जो कुछ भी भोजन में ठाहण करेंगे वह चर्बी या ग्लूकोज में परिवर्तित हो कर आप के रक्त शर्करा स्तर को बढ़ा देगा इसलिए रात को 8 बजे से पहले आपका भोजन समाप्त हो जाना चाहिए। दोपहर के समय फल, सलाद या कुछ हल्का कलेवा रखिए ताकि भूख न सताए। पूर्ण स्वास्थ्य लाभ एक साधना है जो बिना लगन संभव नहीं है। चयन व्यक्ति स्वयं को करना होता है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

आठ साल से जंजीरों में बंधे निर्मल की सुध लेने पहुंची मेडिकल टीम

मेडता विधायक, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष, एसडीएम ने इलाज के लिए निर्देश दिये

मेड़तासिटी, (निसं)। मेड़ता ब्लॉक के बासनी सेजा का निर्मल ढोली जो आठ साल से बेड़ियों से बंधा हुआ था, उसकी सूचना प्रशासन को मिलते ही तुरंत प्रभाव टीम एक्शन मोड में आई। वहीं मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने समाज कल्याण मंत्री अविनाश गहलोत से वार्ता कर पीड़ित परिवार को मदद दिलाई जाने की वार्ता की। वहीं मेड़ता ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के तंवर व बासनी सेजा चिकित्सा प्रभारी डॉ. विहान शर्मा मेडिकल टीम के साथ पीड़ित के निवास स्थान पहुंचे और पीड़ित परिवार से पूछताछ कर इलाज के लिए आश्वाशन दिया।

बासनी सेजा के निर्मल ढोली के परिजनों से मेडिकल टीम ने जानकारी ली।

- **बासनी सेजा का निर्मल ढोली आठ साल से जंजीरों में जकड़ा हुआ है, वह सुन नहीं सकता है, मंदबुद्धि है, मानसिक रूप से विकसित नहीं है**

ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के तंवर ने बताया कि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मनोज सोनी ने पीड़ित परिवार की सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी जिसको लेकर मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल ने चिकित्सा विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश देकर पीड़ित परिवार के निवास स्थान पर मेडिकल टीम भेजी। मेडिकल टीम ने पीड़ित निर्मल ढोली के माता–पिता से वार्ता कर पूर्ण रूप से आश्वाशन दिया और इलाज से लिए मेडिकल टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेडिकल टीम में, सुमित नागर, महेंद्र टेलर, नर्सिंग ऑफिसर सुमन चौधरी, अनिल गुर्जर, हिम्मत सिंह सहित मेडिकल टीम पीड़ित परिवार के पास पहुंची और पीड़ित परिवार से वार्ता की। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी तंवर ने बताया कि पीड़ित का चेकअप किया गया है। पीड़ित के पास मंगलवार को एक मेडिकल टीम पहुंचेगी और एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल ले जाया जाएगा जहां उचित इलाज दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बासनी सेजा निवासी निर्मल ढोली जिसकी दिव्यांग माता सुमडी जो कि पेंशन से अपना जीवन यापन घर खर्च चलाती है। वहीं पीड़ित के पिता रामचंद्र दिहाड़ी करके अपने जीवन का यापन करते हैं। पीड़ित निर्मल (16) जो आठ साल से जंजीरों में जकड़ा हुआ है, वह सुन नहीं सकता है मंदबुद्धि है, मानसिक रूप से विकसित नहीं है।

राशिफल मंगलवार 1 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रात: 9:16 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:17 तक, विष्टि करण प्रात: 8:13 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:02 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–वृष, शुक्र–तुला, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रात: 8:23 तक है। आज चौदस का श्राद्ध है। आज विष शास्त्रादि से मृतकों का श्राद्ध है। महापात योग दिन 1:30 से सायं 5:40 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:20 से 10:48 तक, लाभ–अमृत 10:48 से 1:45 तक, शुभ 3:13 से 4:42 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:10

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

घर–परिवार में महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में आपसी अनबन बढ़ सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

निगम जे.ई.एन और पार्षद पर लगाया मिलीभगत का आरोप

पुलिस प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, जांच की मांग

खंडेलवाल समाज के प्रतिनिधियों ने एएसपी को ज्ञापन सौंपा

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 79 के पार्षद वीरेंद्र वालिया व निगम की जेईएन पर मिली भगती का आरोप लगाते हुए भूखंड पर कब्जे करने के मामले को लेकर सोमवार को पीडित् दिनेश खंडेलवाल के समर्थन में आए खंडेलवाल समाज के प्रतिनिधियों ने एएसपी (शहर) दुर्ग सिंह राजपुरोहित को ज्ञापन सौंपकर भाजपा से निष्कासित पार्षद और उनके बेटे के खिलाफ दर्ज मुकदमे में निष्पक्ष कार्यवाही करते गिरफ्तार करने की मांग की है, मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। दूसरी ओर पार्षद वालिया भी अपने समर्थक भी कलेक्ट्रेट पहुंचे और उन्होंने भी एएसपी को ज्ञापन सौंपकर अपना पक्ष रखा।

वैश्य समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य पीडित् दिनेश खंडेलवाल के साथ सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंचे, यहां उन्होंने एएसपी (सिटी) दुर्ग सिंह राजपुरोहित को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रतिनिधियों और पीडित् दिनेश खंडेलवाल ने बताया कि ठाम चौरसियावास खसरा नंबर 1556 रकबा 1 बीधा 12 बिस्वा भूमि वर्तमान में अभियंता नगर में है। इस भूखंड के पास नाले के पास खाली जमीन पर प्लॉट बनाकर बेचे गए हैं, नाले को उनकी क्रयशुदा भूखंड पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में एक प्रकरण सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष चला, लेकिन वाद खारिज कर दिया गया। खंडेलवाल का आरोप है कि पार्षद वालिया उनकी जमीन पर कब्जा करने की नियत से उन पर दबाव बना रहा है।

पीडित् के साथ की मारपीट:

समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि पीडित् दिनेश खंडेलवाल के साथ 28 सितंबर को निगम जेईएन कामना रावत, सफाई निरीक्षक और जमादार की आड़ लेकर पार्षद वालिया ने मारपीट की। इसका एक वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समाज के लोगों ने बताया कि पार्षद ने दिनेश के भूखंड की दीवार जेसीबी से गिराकर मलवे को नाले में गिरा दिया था, जब वह मौके पर पहुंचे तो पार्षद गाली गलोज करते हुए मारपीट करने लगा।

जमीन छोड़ों या पचास लाख रुपए दो: पीडित् दिनेश खंडेलवाल मामले में पार्षद वालिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। जिसमें उसने बताया कि उसके पिता शंकर खंडेलवाल ने 1973 में लायंस क्लब के पीछे जमीन खरीदी थी। उनके निधन के बाद पुत्र दिनेश व आशीष का इस जमीन स्वामित्व है। पार्षद वीरेंद्र वालिया उसे लंबे समय से धमका रहा है की जमीन बेच फिर 50 लाख रुपए दो, वरना यहां पर रखना नहीं दूंगा। दिनेश ने आरोप लगाया की वालिया ने नगर निगम अधिकारी से मिली भगत कर जमीन पर बनी बाउंड्री वॉल तुड़वा दी। वालिया द्वारा नाले की जमीन पर कब्जा करने की शिकायत कई बार की गई।

निगम अधिकारियों की आड़ : समाज के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने निगम आयुक्त देशल दान से भी मुलाकात कर जांच की मांग करते हुए कहा कि प्रकरण में निगम अधिकारी जेईएन कामना रावत की भूमिका संदेह के घेरे में हैं। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

सांस्कृतिक रक्षा मंच में सौंपा ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। सांस्कृतिक रक्षा मंच ने सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग सिंह राजपुरोहित से मुलाकात कर गरबा रास में फूहड़ता बंद करने की मांग की है। सौंपे ज्ञापन में प्रतिनिधियोंने मांग की है कि इवेंट कंपनियां डांडियों के नाम पर भारतीय संस्कृति के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, ऐसे में इन पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। मंच के पदाधिकारी पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि 3 अक्टूबर से नवरात्रा स्थापना होने जा रही है, नवरात्रा में जगह-जगह डांडियारास का आयोजन किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से सामने आया है कि इवेंट कंपनियां दो से चार दिन का आयोजन कर भारतीय संस्कृति को बदनाम करने का प्रयास करती है। इन आयोजनों में कुछ असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें रोकने के लिए आयोजन स्थलों पर आने वाले लोगों का तिलक लगा और गंगाजल का छिडकाव कर ही प्रवेश दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि गरबा में न तो फिल्मी गीत बताए जाए और न ही महिलाएं, बालिकाएं अश्लील कपड़े पहने। नवरात्र पर्व तो शक्ति की आराधना का पर्व है जो संस्कृति के अनुरूप मनाया जाए। संस्कृति रक्षा मंच ने चेतावनी दी है कि शहर में कहीं भी डांडिया के नाम पर फूहड़ता होने पर उनके कार्यकर्ता असामाजिक तत्वों को पुलिस के हवाले करेंगे। ज्ञापन देने वालों में मंच के अध्यक्ष लेखराज सिंह राठौड़, मंत्री कैलाश भाटी, सज्जन सिंह राठौड़, संयोजक दिलीप सिंह गौड, अरुण शर्मा, धर्म सिंह रावत, बिरम सिंह सहित प्रतिनिधि मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

रावत समाज सर्किल कुशलपुरा की कार्यकारिणी का गठन

मसूदा, (**निसं**)। रावत समाज सर्किल कुशलपुरा की आम मीटिंग श्री बाबा रामदेव मंदिर हीरा राम का बाड़िया में अध्यक्ष प्रभु सिंह की अध्यक्षता में रखी गई जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई रावत समाज सर्कल कुशलपुरा की जगह आवंटन करवाने हेतु सर्व समिति से निर्णय लिया गया की बाबा रामदेव मंदिर के पास जगह आवंटित किया जाने का निर्णय लिया।

कार्यकारिणी की सदस्य शुल्क 2100 निर्धारित की गई है। रावत समाज सर्कल कुशलपुर में कार्यकारिणी का विस्तार निम्न प्रकार से किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्षप्रेम सिंह बाण्यातो का बाडिया,पूनम सिंह कुशलपुरा, विष्णु सिंह कुशलपुरा,डूंगर सिंह हीरारामा का बाड़िया ,महेंद्र सिंह कुशलपुरा सरपंच। उपाध्यक्ष मला चांदा का बाड़िया, लाला चांदा का बाड़िया,जीवण सिंह फौजी कुशलपुरा ,वरिष्ठ महामंत्रीप्रकाश सिह हीरारामा का बाड़िया ,भंवर जी हीरारामा का बाड़िया, महेन्द्र सिंह कुशलपुरा, भागचंद सिंह कुशलपुरा पृथ्वी सिंह कुशलपुरा,महामंत्री गोपाल सिह जेता का बाड़िया, दौलत सिह जेता का बाड़िया, छगन सिह झूठा बाडिया, मंत्री, मुन्ना सिंह सेलोतो बाड़िया जीवन सिह हीरारामा का बाड़िया मिडिया प्रभारीलाल सिंह कुशलपुरा, संगठन मंत्री गोम सिंह सेलोतो बाड़िया, कैलाश सिंह हीरारामा का बढ़िया, मदन सिहं झूठा का बाड़िया, छोटू सिंह सालरमाला, उगमसिह हीरारामा का बाड़िया, मोहन सिह कुशलपुरा, कोषाध्यक्ष, ज्ञान सिहं सालरमाला,सरक्षक लाडू सिह जेता का बाड़िया, गोटू सिंह कुशलपुरा आदि।

मीरा महोत्सव के पोस्टर विमोचन

मेड़तासिटी, (निसं)। भक्त शिरोमणि मीराबाई पैनोरमा के 17 वा स्थापना दिवस के अवसर पर मनाए जाने वाले दो दिवसीय मीरा महोत्सव समारोह को लेकर सोमवार को मीरा पैनोरमा मे उपखंड स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक उपखंड अधिकारी पूनम चोयल की अध्यक्षता मे की गई जिसमे समारोह को शानदार भव्य तथा ऐतिहासिक बनाने हेतु गहन विचार चर्चा की गई और संबंधित समितियां को जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस दो दिवसीय समारोह मे 4 और 5 अक्टूबर को रात्रि मे मीराबाई स्मारक मे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी और 5 अक्टूबर को सुबह 10.30बजे से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में संत मीराबाई का संगीत एवम् साहित्य पर संगोष्ठी भी आयोजित की जायेगी।जिसमे पद्म श्री सी पी देवल, ब्रजेंद्र कुमार सिंहल, डा. गजेसिंह राजपुरोहित उपस्थित रहेंगे।

वही दो दिवसीय समारोह में रात्रि को पद्म विभूषण पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, पद्म श्री अनवर खान सहित केरल के कलाकार द्वारा मीरा नाटिका, दिल्ली के कलाकारों द्वारा भजन, मणिपुर के कलाकारों द्वारा मीरा नृत्य नाटिका सहित गरबा, घूमर, चरी, तेरहताली नृत्य आदि की प्रस्तुतियां दी जाएगी। ये सभी कार्यक्रम संगीत नाटक एकेडमी,नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण जयपुर के सानिध्य मे किया जायेगा।बैठक के दौरान समारोह का बैनर और निमंत्रण पत्र, प्रचार प्रसार की सामठी पंपलेट का भी विमोचन किया गया।इस बैठक में तहसीलदार एवं सचिव राम सिंह गुर्जर , अधिशाषी अधिकारी पवन मीणा,जय प्रकाश कस्वा, विकास कुमार, उप प्राचार्य बालिका विद्यालय मीरा चौधरी,एडवोकेट कमल कुमार आचार्य, एडवोकेट सत्यदेवसंदू, डा रामरतन लटियाल,नवरतन पवार, देवकिशन पंवार, श्याम सुंदर सिखवाल, सत्यनारायण सुथार, नंदू श्री मंत्री, नरेंद्रसिंह ,दीपक राखेचा, अशोक सांखला, रमेश गुजराती, महेश प्रजापत,अनु बिग बी,पीयूष शर्मा, नरेंद्र सोनी, मनोहर, शोरभ अठावाल, महेंद्र गहलोत इत्यादि सहित अनेक लोग मौजूद थे।

मारू सेन समाज ने सौंपा उपखंड अधिकारी चोयल को सौंपा ज्ञापन

मारू सेन समाज के लोग उपखंड अधिकारी चोयल को ज्ञापन सोपते हुवे।

मेडता सिटी। मारू सैन समाज भवन विकास समिति मेड़ता पट्टी के तत्वाधान में सेन भवन में बने मंदिर व भवन में तोड़ फोड़ के सम्बन्ध में रविवार को मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल को ज्ञापन सोपा गया। पट्टी अध्यक्ष गणपत लाल ने बताया कि सैन समाज का भवन नया दरवाजा हनुमान जी के मंदिर के पीछे आया हुआ है। जिससे हमारे समाज की तरफ से मंदिर में सेवा पूजा करने के लिए राजेश व नन्दकिशोर पुत्र चंपालाल रखे हुवे थे जो भवन में रहते थे। रविवार को सुबह लगभग 8.30 बजे भवन में स्थित मंदिर में गये तो वहां पर हमारे कुलदेवता की मुर्तिया खंडित मिली, पूजन् सामग्री बिखरी मिली तो समाज के लोगो ने पूछताछ करने पर पता चला की मंदिर के पूजारी राजेश, नंदकिशोर एव उनकी पत्नियां मंजू व सोनू ने रात को मिलकर मदिर की मूर्तिया को खंडित कर दी एव हमारे समाज के भवन को भी क्षितग्रस्त कर दिया। मंदिर के पुजारी व उनका परिवार मूर्तियो को खण्डित कर फरार हो गये है। इन लोगों ने हमारी धार्मिक भावनाओं पर चोट पहुंचाई है हमारे समाज के भवन को क्षितग्रस्त कर दिया है। राजेश व नदकिशोर मंजू व सोनू पूर्व में भी इस भवन में कई बार इस प्रकार की घटना दौरा चुके हे।

समाज के गणमान्य नागरिकों ने समझाने के भी कई बार प्रयास किये जिसके फलस्वरूप समाज के लोगो को इन्होने झूठे मुकदमे में फसाने की कोशिश की। जिसको लेकर सेन समाज भवन व मंदिर में हुई तोड़ फोड़ से हमारा पूरा सेना समाज नाराज हे इसको लेकर मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल को ज्ञापन सौप कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की। इस मौके पर अध्यक्ष गणपत लाल सेन लालचंद सेन पूर्व अध्यक्ष रामनिवास सेन, नीरज सेन , पूर्व केस कला बोर्ड सदस्य माणक सेन , हीरालाल सेन ,सुरेश सेन ,संतोष सेन, लोकेश सेन , रवि सेन , विक्रम सेन, महेश सेन, दिनेश सेन, महावीर सेन, राजू सेन, सुरेश सेन बगड़, मिश्रीलाल सेन, राजू सेन, जीतू सेन, संदीप सेन, दिलीप सेन मौजूद रहें

मातृभाषा उन्नित का मूल आधार:स्वामी भगत प्रकाश

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली व भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के तत्वाधान में समारोह आाोजित हुआ।

ब्यावर (निसं) मातृभाषा सीखना अति आवश्यक है यह उन्नित और सफलता का मूल आधार है। उक्त विचार श्री प्रेम प्रकाश मंडल अमरपुर के मंडलाध्यक्ष सद्गुरु स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज ने राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली व भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के तत्वाधान में आयोजित सिंधी सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स व एडवांस डिप्लोमा कोर्स के उद्घाटन पश्चात पुस्तक वितरण पर शिक्षार्थियों को आशीर्वाद देते हुए व्यक्त किये।

स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज ने ब्यावर नगर में 13 कक्षा के संचालन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जिसे अपनी मातृभाषा आती है उसे अन्य भाषाएं सीखने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। हमें समय अनुसार हिंदी,अंग्रेजी व अन्य भाषाएं भी सीखनी पड़ती है किंतु मातृभाषा बचपन से ही आनी चाहिए प्रत्येक माता का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को अपनी भाषा अवश्य सिखाए।कार्यक्रम में समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष व भारतीय सिंधु सभा के जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण दास गुरनानी ने बाल संस्कार शिविरों पश्चात अधिगम पाठ्यक्रम की कक्षाओं के संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त की।सिंधी अधिगम पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी सिंधी कक्षाओं के सुपरवाइजर दिलीप ज्ञानचंदानी ने बताया कि ब्यावर नगर में संचालित 7शिक्षा केंद्रों पर विभिन्न कोर्स में 196 बच्चे सिंधी लिखना व पढ़ना सीखेंगे कार्यक्रम का संचालन करते हुए सिंधी शिक्षा मित्र कमल चचलानी ने बताया कि सिंधी कक्षाओं का सामूहिक उद्घाटन किया गया व 1अक्टूबर से नियमित शिक्षण कार्य प्रारंभ होगा।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ/22-23/932 — दिनांक: 15/07/22

आपत्ति सूचना

श्री निर्मल टांक पुत्र श्री संतोष टांक निवासी बी 666 प्रगति नगर कोटड़ा अजमेर द्वारा एक सम्पति संख्या 23 जो खसरा नं. 599, 600/911, 598, 601 व 1094/658 की भूमि का भाग है जिसका सम्पति संख्या 4/19 है जो वाकै नौसर अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 150.12 व. मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - आम रास्ता — पश्चिम - आम रास्ता

उत्तर - भूखण्ड संख्या 22 व 24 — दक्षिण - आम रास्ता

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम नौसर योजना के आवासीय भूखण्ड सख्या 38 क्षेत्रफल 245 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती गुलाब देवी पत्नि मुरारी लाल गुप्ता निवासी 57 पलटन बाजार अजमेर की मृत्यु दिनांक 25/12/2023 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसो क्रमश: (1) मुरारी लाल गुप्ता पुत्र मथुरा प्रसाद (2) श्रीमती शैलेश बंसल पुत्री मुरारी लाल गुप्ता पत्नि निरंजन कुमार बंसल अजमेर (3) श्रीमती सविता गर्ग पुत्री मुरारी लाल गुप्ता पत्नि विष्णु गर्ग भरतपुर (4) राकेश कुमार गुप्ता (5) महेश कुमार गुप्ता पुत्रगण मुरारी लाल गुप्ता निवासी 57 पलटन बाजार अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार (1) राकेश कुमार गुप्ता (2) महेश कुमार गुप्ता पुत्रगण मुरारी लाल गुप्ता निवासी 57 पलटन बाजार अजमेर के पक्ष मे निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्रदिनांक 12/9/2024 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। — योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

क्रमांक/नपाबि./भूमि/2024/3158 — आम सूचना — दिनांक: 30/09/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कोलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	पत्रावली नं.	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू.सं.	क्षेत्र
1.	23	अंजना देवी पोखरणा/ कमलेश कुमार पोखरणा	कृष्ण सुदामा नगर	57/1182/5, 57/4, 63/3	03	125.00 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

मैसर्स सिगमा मिनरल्स

मुख्य कार्यालय भूखण्ड संख्या एफ-49 रीको औद्योगिक क्षेत्र बिदियाद जिला डीडवाना कुचामन, राजस्थान-341542

आम सूचना

मैसर्स सिगमा मिनरल्स जो रजिस्ट्रार ऑफ फर्म जिला उद्योग केन्द्र नागौर में पंजीकृत है जिसका रजिस्ट्रेशन नं. RF/NGR/2018/3912 है, फर्म का हेड ऑफिस प्लॉट नं. एफ-49 रीको औद्योगिक क्षेत्र बिदियाद तहसील परबतसर जिला डीडवाना कुचामन, राजस्थान में है। मैसर्स सिगमा मिनरल्स में भागीदार नं. 1 गिरधारी राम पुत्र श्री बिरदीचन्द गहलोत निवासी वॉर्ड नं. 17, रेल्वे स्टेशन के पास, छोटी खाटू, तहसील डीडवाना, भागीदार नं. 2 पूनमचन्द बिशनोई पुत्र श्री रामदेव बिशनोई निवासी वार्ड नं. 13 ग्राम मोखमपुरा, जिवादिया तहसील मकराना व भागीदार नं. 3 नरेन्द्र सिंह रत्नू पुत्र श्री देवी सिंह निवासी ग्राम मोखमपुरा, जिवादिया तहसील मकराना जिला डीडवाना कुचामन, राजस्थान है। भागीदार नं. 2 पूनमचन्द बिशनोई पुत्र श्री रामदेव बिशनोई निवासी वार्ड नं. 13 ग्राम मोखमपुरा, जिवादिया तहसील मकराना, अपनी स्वेच्छा से दिनांक 26.09.2024 को इस फर्म से रिटायर हो रहे है तथा गिरधारी राम पुत्र श्री बिरदीचन्द गहलोत व नरेन्द्र सिंह रत्नू पुत्र श्री देवी सिंह कंटीन्यू भागीदार है। किसी आम जन को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिवस के भीतर रजिस्ट्रार ऑफ फर्म जिला उद्योग केन्द्र नागौर में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

कार्यालय पंचायत समिति हुरड़ा, जिला - भीलवाड़ा

क्रमांक-934 — दिनांक 25/9/24

निविदा सूचना 2024-25 (06)

पंचायत समिति हुरड़ा की और से विभिन्न कार्यो हेतु राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजिकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकास कार्यो की मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी सभी शर्ते कार्यालय समय में पंचायत समिति हुरड़ा में देखी जा सकती है।

UBN No. ZBL2425WSOBO1263, ZBL2425WSOBO1261 ZBL2425WSOBO1265, ZBL2425WSOBO1262 ZBL2425WSOBO1251

NIB No. ZBL2425A0603, ZBL2425A0601, ZBL2425A0604, ZBL2425A0602, ZBL2425A0596

विकास अधिकारी पंचायत समिति हुरड़ा

कार्यालय पंचायत समिति कोटडी जिला शाहपुरा

क्रमांक-पेसकों/निविदा/2024-25/398 — दिनांक 30/9/24

ई-निविदा सूचना 2024-25/03

पंचायत समिति कोटडी की अधीनस्थ वर्ष 2024-25 हेतु ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की अन्य योजना हेतु विभिन्न निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजिकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण WWW.SPPP.RAJASTHAN.GOV.IN एवं WWW.EPROC.RAJASHTHAN.GOV.IN पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB No. - ZBL2425A0608

UBN No. - ZBL2425WSOB01299 to ZBL2425WSOB01319

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल: अजमेर

क्रमांक: 704 — दिनांक: 11-07-2024

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2/11 किशनगढ़ योजना में श्री रामस्वरूप लद्धा पुत्र श्री किशन गोपाल को आवंटित कर दिनांक 04.09.1985 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री रामस्वरूप लद्धा पुत्र श्री किशन गोपाल ने आवास का बैचान जरिए इकरारनामा, मुख्तारनामा, वसीयतनामा श्रीमती विदाम देवी पत्नी श्री मातादीन को कर दिया गया। मण्डल द्वारा श्रीमती विदाम देवी पत्नी श्री मातादीन के पक्ष में दिनांक- 31.03.2003 को नियमितिकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती विदाम देवी पत्नी श्री मातादीन द्वारा दि. 01.04.2003 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया हैं। श्रीमती विदाम देवी की मृत्यु दिनांक 27.11.2022 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री कमल किशोर पंवार पुत्र श्री मातादीन पंवार द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। श्रीमती रेखा पंवार सरसिया पत्नी श्री गिरीश सरसिया द्वारा उक्त आवास के 1/5 हिस्सा का अधिकार प्रलेख श्री मातादीन पुत्र स्व. श्री गंगा राम के पक्ष में निष्पादित किया गया श्री कमल किशोर पंवार पुत्र श्री मातादीन पंवार के पक्ष में श्री मातादीन पुत्र स्व. श्री गंगा राम, श्रीमती सरोज पंवार पत्नी श्री अशोक कुमार ओलानिया (पुत्री श्री मातादीन पंवार) श्रीमती रेखा पंवार सरसिया पत्नी श्री गिरीश सरसिया (पुत्री श्री मातादीन पंवार) जरिये अधिकृत प्रतिनिधी श्री मातादीन पुत्र स्व. श्री गंगा राम, श्री विक्रम पंवार पुत्र श्री मातादीन पंवार द्वारा रजिस्टर्ड हक त्याग-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री कमल किशोर पंवार पुत्र श्री मातादीन पंवार ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर आवास का आवंटन स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री कमल किशोर पंवार पुत्र श्री मातादीन पंवार का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी। — आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

NAME CHANGE

I CHANGED MY NAME FROM JEETU TO JEETU ISRANI. IN FUTURE I RECOGNIZED by JEETU ISRANI for all Purposes. Satguru Colony, Ajay Nagar, AJMER 7737044931

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम CHAUDHARI KRUSHIL KUMAR PRAKASH BHAI है व पिता का CHAUDHARI PARKASH BHAI, माता का SUNITA BEN जबकि मेरे पुत्र के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरे पुत्र का KRUSHIL KUMAR, पिता का C.P.BHAI, माता का PINKI BEN दर्ज है जो गलत है। मेरे पुत्र के शैक्षणिक दस्तावेजों में पुत्र, पिता व माता का सही व वास्तविक नाम दर्ज करे। चौधरी प्रकाश भाई, बोकावास, डपार्ट महसाणा गुजरात, 24 फिल्ड ईएमई, मार्फत 56 एपीओ, केन्ट नसीराबाद

NAME CHANGE

I, E RADHA is spouse of Army No. 15173110Y, Rank:- HAV (TA), Name:- ELIDANDLA RAMAMOHAN REDDY, Residing At Vill:- BOMMAKUNTAPALLI, Po:- B PAPPURU, Tehsil:- SINGANAMALA, Dist:- ANANTAPUR, State:- ANDHRA PRADESH, Pin:- 515425 have change my Name from E RADHA to ELIDANDLA RADHA vide Affidavit No. BW 248573 Dated 29/09/2024 before Court campus Nasirabad

आम सूचना

मैं मेरे पक्षकार भागचन्द बैरवा पुत्र श्री हरी राम बैरवा, उम्र लगभग-28 वर्ष, जाति-बैरवा, पता- बैरवा मोहल्ला, पिपलिया, खायड़, अजमेर (आधार कार्ड नम्बर-890477808403) की तरफ से हर आम व खास को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार की माता स्वर्गीय श्रीमति बादाम देवी पत्नि स्वर्गीय श्री हरी लाल बैरवा के नाम से फार्म टेक ट्रेक्टर संख्या- RJ01RB5581 है। मेरे पक्षकार की माता का निधन दिनांक-08/02/2023 को हो गया है। मेरा पक्षकार उक्त फार्म टेक ट्रेक्टर संख्या- RJ01RB5581 को स्वंय के नाम आरटीओ अजमेर में करवाने की कार्यवाही कर रहा है। यदि किसी को भी उक्त कार्यवाही पर आपत्ति हो तो उक्त सूचना की दिनांक से 07 दिन के भीतर आपत्ति जाहिर करे दसके बाद किसी भी आपत्ति को नहीं सुना जायेगा। सो सूचित रहे।

अजमेर — भवदीय

दिनांक - 29/09/2024 (ओम नारायण पालड़िया) एडवोकेट

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नावां शहर जिला डीडवाना-कुचामन (राजस्थान)

टेलीफैक्स :- 01586-263157 ई-मेल :- npnawa@gmail.com

क्रमांक :- न.पा.नावां/2024-2025/1546 — दिनांक:- 27.09.2024

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है निम्न वर्णित आवेदक द्वारा कृषि भूमि नियमन,भवन निर्माण अनुज्ञा,नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें नियमानुसार कार्यवाही की जानी है। अतः कृषि भूमि नियमन,भवन निर्माण अनुज्ञा,नामान्तरण जारी किये जाने हेतु यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक पिता/पति का नाम मय पता	भूखण्ड के आस-पड़ोस				प्रयोजन
		उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	
01	श्रीमति रुकमा कुमावत पत्नि सुमेर चन्द जाति कुमावत निवासी रेल्वे स्टेशन के पास शहीदपुरा गुढा साल्ट नावां	मंगला राम की भूमि	आम रास्ता 20 फीट	आम रास्ता	रामनिवास जाट का भूखण्ड	वाणिज्यिक
02	श्री ओमप्रकाश पुत्र हनुमान राम निवासी बोडियो की ढाणी खारडिया तहसील नावां	प्लाट नं. 01	नावां कुचामन रोड	दुकान नं. 03	दुकान नं. 01	वाणिज्यिक
03	श्री मंगना राम पुत्र मुन्ना राम निवासी टोरडा तहसील कुचामन	प्लाट नं. 01	नावां कुचामन रोड	दुकान नं. 02	अन्य भूमि	वणिज्यिक
04	श्रीमति सुप्यार देवी पत्नि लक्ष्मणराम निवासी पुरानी रेल्वे स्टेशन वार्ड नं. 04 नावां	भूखण्ड सं. 149	भूखण्ड सं. 145	रास्ता 30 फीट	भूखण्ड सं. 148	आवासीय
05	श्री महावीर शर्मा पुत्र राधेश्याम शर्मा निवासी पुरानी रेल्वे स्टेशन वार्ड नं. 04 नावां	बंशीजी मीणा का मकान	आम रास्ता 25 फीट	नरेश शर्मा का मकान	गंगाधर स्वामी का मकान	आवासीय
06	श्रीमति सन्तोष देवी पत्नि मदनलाल निवासी पुरानी रेल्वे स्टेशन नावां	भूखण्ड सं. 121	रतनलाल का मकान	आम रास्ता 50 फीट	सीताराम का मकान	आवासीय
07	श्री अनिल कुमार पुत्र भंवरलाल निवासी कांसेडा तहसील नावां	कुचामन जयपुर रोड	भूखण्ड सं. 08	भूखण्ड सं. 02	अन्य भूमि	वाणिज्यिक
08	कल्लाराम गुर्जर पुत्र श्योजीराम गुर्जर निवासी वार्ड नं. 04 नावां	प्लाट नं. 25	आम रास्ता	प्लाट नं. 29 व 30	प्लाट नं. 26	आवासीय
09	मन्जू पत्नि नेमीचन्द कुमावत निवासी सांभर का रास्ता वार्ड नं. 20 नावां	प्लाट नं. 04	आम रास्ता 20 फीट	आम रास्ता 20 फीट	प्लाट नं. 05	आवासीय
10	श्रीमति शारदा देवी पत्नि गोपाललाल निवासी तिलक नगर वार्ड नं. 25 नावां	नानूराम वगैरह की जमीन	आम रास्ता 20 फीट	श्रवण लाल का भूखण्ड	छोटी देवी का भूखण्ड	आवासीय
11	श्री कल्लाराम गुर्जर पुत्र श्योजीराम गुर्जर निवासी आउ तहसील रुपनगढ हाल निवासी वार्ड नं0 04 नावां	रास्ता 17 फीट	प्लाट नं.27	प्लाट नं. 28	प्लाट नं. 24	आवासीय
12	श्री कल्लाराम गुर्जर पुत्र श्योजीराम गुर्जर निवासी आउ तहसील रुपनगढ हाल निवासी वार्ड नं0 04 नावां	प्लाट नं. 25	रास्ता 20 फीट	प्लाट नं. 29	प्लाट नं. 26	आवासीय
13	श्री बोदूराम पुत्र हजारी राम निवासी आउ तहसील रुपनगढ हाल निवासी वार्ड नं0 24 नावां	रास्ता 30 फीट	बृजमोहन शर्मा की भूमि	प्लाट नं. 10	प्लाट नं. 12	आवासीय
14	श्री ओमप्रकाश पुत्र हजारी राम निवासी वार्ड नं0 06 नावां	प्लाट नं. 05	प्लाट नं. 03	रास्ता	श्योनाथजी खटीक का खेत	आवासीय
15	श्री नरेश कुमार चौधरी पुत्र प्रेमाराम चौधरी निवासी खोखरो की ढाणी वार्ड नं. 02 नावां	सीताराम जान्दू का मकान	जितेन्द्र जाट का मकान	रास्ता 20 फीट	मोतीराम जान्दू का मकान	आवासीय
16	श्री निशिकान्त पुत्र राजेन्द्र कुमार छीपा निवासी सीनियर गर्ल्स स्कून के पास गौरज चौक नावां	रास्ता 30 फीट	प्लॉट नं. 02	रास्ता 30 फीट	मदनलाल शर्मा का मकान	आवासीय
17	श्री राजकुमार पुरोहित पुत्र शिवरतन पुरोहित निवासी रेल्वे साइडिंग के पास वार्ड नं. 01 नावां	खसरा सं. 564 की भूमि	भंवर कंवर व नगरपालिका की भूमि	सावरमल की जमीन	रास्ता 25 फीट	नामान्तरण
18	श्री राजकुमार पुरोहित पुत्र शिवरतन पुरोहित निवासी रेल्वे साइडिंग के पास वार्ड नं. 01 नावां	खसरा सं. 544	खसरा सं. 541	खसरा सं. 541	आम रास्ता 40 फीट	नामान्तरण
19	श्रीमति रामेश्वरी देवी पत्नि भंवरलाल निवासी वार्ड नं. 23 नावां	आम रास्ता	अन्य की जमीन	अन्य की जमीने	आम रास्ता	भवन निर्माण अनुज्ञा
20	श्रीमति सुशीला पत्नि गोपाल सिंह HDFC बैंक के पास नावां	प्रशान्त मान्धना व दिनेश जैन का भूखण्ड	आम रास्ता	ललित जैन का मकान	आम रास्ता	भवन निर्माण अनुज्ञा

राज.संवाद/सी/24/5884 — अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम कोटडा ज्ञान विहार कॉलोनी योजना के आवसीय/व्यवसायिक भूखण्ड संख्या 482 क्षेत्रफल 138.89 वर्ग गज खसरा नं. 807 आवंटी/अन्तरिति स्व. दीपक अग्रवाल पुत्र स्व. राधे श्याम अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 25/5/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/अपंजीकृत दिनांक 21/5/21) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती प्रियंका अग्रवाल पत्नि स्व. दीपक अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। — योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम कोटडा ज्ञान विहार कॉलोनी योजना के आवसीय/व्यवसायिक भूखण्ड संख्या 467 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज खसरा नं. 822 आवंटी/अन्तरिति स्व. दीपक अग्रवाल पुत्र स्व. राधे श्याम अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 25/5/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/अपंजीकृत दिनांक 21/5/21) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती प्रियंका अग्रवाल पत्नि स्व. दीपक अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। — योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ग्राम कोटडा ज्ञान विहार कॉलोनी योजना के आवसीय/व्यवसायिक भूखण्ड संख्या 466 क्षेत्रफल 220 वर्ग गज खसरा नं. 822 आवंटी/अन्तरिति स्व. दीपक अग्रवाल पुत्र स्व. राधे श्याम अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 25/5/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/अपंजीकृत दिनांक 21/5/21) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती प्रियंका अग्रवाल पत्नि स्व. दीपक अग्रवाल निवासी T-16 शास्त्री नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। — योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा जो कि नगर परिषद ब्यावर तहसील ब्यावर जिला ब्यावर राजस्थान की सीमा में स्थित राजस्व ग्राम नयानगर में स्थित भूमि खसरा नं 1916 में विकसित स्थित स्वीकृत श्री सुख सागर नगर, जवाजा मार्ग, नयानगर, ब्यावर में स्थित आवासीय पट्टाशुदा प्लाट नं 01 का पश्चिमी भाग जिसको प्रा. प्लाट नं 01 सी कहा गया है जिसका कुल क्षेत्रफल 100 वर्गगज है पर निर्मित दो मंजिला आर.सी.सी पोश जायदाद मय छत सहित मय भूखण्ड की मिल्कियत सहित मय बिजली पानी कनेक्शन मय बिजली पानी फिटिंग सहित के बेचान नामा दिनांक 15.06.2020 के पहले के असल कागजात जैसे बेचान नामा दिनांक 02.02.2015 व बेचान नामा दिनांक 05.04.2018 मेरे द्वारा फोटो कॉपी कराकर आते समय अजमेरी गेट के आस पास पर कहीं गिर गये है तथा काफी ढूंढने से भी नहीं मिले है। जिस किसी को मिले कृपया सूचित करे।

भवदीय-श्री दुदाराम उम्र करीबन 49 वर्ष सुपुत्र श्री किशनाराम जी हा जाति जाट निवासी बिरामपुरी, मोहराई, जैतारण, पाली, राजस्थान।

AADHAR NUMBER :- 9760 4387 2307

MOBILE NUMBER :- 9001242793

AU SMALL FINANCE BANK

Registered Office : 19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001. www.aubank.in

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from AU Small Finance Bank Limited ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **07 Oct 2024 between 11:00 AM - 3:00 PM (Time)** at below mentioned branches according to the mode specified therein. In the case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblink https://gold.samil.in)

BANSWARA - 23660002354118 | **BASSI** - 24660000511686 | **BHILWARA** - 23660002368872 | **BIKANER** - 24660000441167 | **CHITTORGARGH** - 23660002377874 | **JAIPUR - QUEENS ROAD** - 23660002332270 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 23660002362433 | **JODHPUR ITI CIRCLE** - 23660002352552 | **KOTA -GHODE WALA CIRCLE** - 23660002351523 23660002391587 | **RATANGARH** - 23660002400013 | **SAGWARA** - 23660002381236 | **UDAIPUR - MADHUBAN** - 23660001360643 23660002004028 24660000921674 |

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/- Manager AU Small Finance Bank Limited

रूपनगढ़ में हुये जघन्य हत्याकाण्ड एवं फायरिंग प्रकरण में तीन आरोपी गिरफ्तार

मामले में दो नाबालिग को भी निरूद्ध किया, फरारी काट रहे अपराधियों की तलाश जारी

रूपनगढ़ फायरिंग मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रूपनगढ़/मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। पुलिस ने सोमवार को रूपनगढ़ में हुए जघन्य हत्याकाण्ड एवं फायरिंग मामले में महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया एवं दो नाबालिग को निरूद्ध किया है। रूपनगढ़ थाना इंचार्ज भंवरसिंह राव के अनुसार फरारी काट रहे अपराधियों को गिरफ्त में लेने के लिये संभावित ठिकानों पर निरंतर दबीश दी जा रही है। शीघ्र ही सभी को गिरफ्तार कर कर लिया जायेगा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गत 22 सितंबर को रूपनगढ़ में हुई फायरिंग व हत्या एवं आगजनी की घटना के सम्बन्ध में पुलिस थाना रूपनगढ़ में दर्ज मुकदमे में लगातार कार्रवाई करते हुये पुलिस उप महानिरीक्षक अजमेर रेंज अजमेर के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अजमेर डॉ. दीपक कुमार के नेतृत्व में एवं किशनगढ़ सीओ (ग्रामीण) सत्यनारायण यादव के सुपरवीजन में पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल व मददगार आरोपियों को तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिरी के जरिये चिन्हित किया गया। वहीं आरोपियों के छिपने के हर संभव स्थानों पर दबिश दी गई। दबिश में इन आरोपियों को घटना में लिप्त पाये जाने व घटना में मददगार पाये जाने पर 29 सितंबर के बाद अनुसंधान एक महिला आरोपी पार्वती पत्नी बलभाराम जाट निवासी मोडीवालों की ढाणी नयागांव हरमाड़ा पुलिस थाना पुलिस थाना बांदरसिंदरी जिला अजमेर व आरोपी रामदयाल पुत्र रतनलाल जाट निवासी ग्राम मुण्डोती पुलिस थाना बांदरसिंदरी जिला अजमेर, आरोपी श्रीराम पुत्र घनश्याम मेघवाल निवासी ग्राम बिदियाद पुलिस थाना परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन हाल खोड़ा गणेश रोड बीएलजी कॉलोनी किशनगढ़ जिला अजमेर को गिरफ्तार किया गया तथा दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरूद्ध किया गया। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

- 22 सितंबर को रूपनगढ़ बस स्टैण्ड के पास दुकानों की जमीन को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई थी

जानकारी के अनुसार विगत 22 सितंबर को रूपनगढ़ बस स्टैण्ड के पास दुकानों की जमीन को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई थी। कुछ देर बाद भंवर सिनोदिया की हत्या में संलिप्त बलबाराम जाट के परिजनों सहित अन्य हमलावरों ने फायरिंग कर एक युवक की हत्या कर दी और फरार हो गये। वारदात में शामिल इनामी बदमाश बलबाराम के भांजे मुख्य आरोपी दिनेश चौधरी, राजवीर फौजी, हनुमान जाट व पुखराज अभी भी फरार है।

रिश्वत लेते हल्का पटवारी गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर सोमवार को बून्दी ए.सी.बी. ने कार्रवाई करते हुये पटवारी हेमन्त पालीवाल को परिवादी से चार हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रायथल तहसील से रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी.बूंदी इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसकी भूमि को गैर खातेदारी से खातेदारी में दर्ज करवाने की एवज में पटवार हल्का गोठड़ा अतिरिक्त चार्ज रायथल आरोपी पटवारी हेमन्त पालीवाल द्वारा पांच हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेरणा शेखावत ने शिकायत का सत्यापन किया गया। सत्यापन सही पाए जाने के बाद पुलिस उपाधीक्षक ज्ञानचंद द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्रवाई कर आरोपी पटवारी हेमन्त पालीवाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के समय भी रिश्वत के एक हजार रूपए लिए गए थे।एसीबी अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

इंजीनियर ने ऑनलाइन वेबसाइट से 60 लाख रुपए ठगे

जोधपुर, (कासं)। मैकेनिकल इंजीनियर ने साल भर में ऑनलाइन एप और गेमिंग वेबसाइट्स को 60 लाख रुपए का चूना लगा दिया। ठग ऑनलाइन सामान मंगवाता और उसे लौटा देता। रिफंड आने के बावजूद बार-बार कंपनी को फोन कर दोबारा रिफंड करवा लेता। इसके लिए उसने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के अकाउंट तीस प्रतिशत कमीशन पर उधार ले रखे थे। ऑपरेशन फायरवाल के तहत पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया। मामला जोधपुर के फलोदी क्षेत्र का है।

- ठग ऑनलाइन सामान मंगवाता और उसे लौटा देता रिफंड आने के बावजूद बार-बार कंपनी को फोन कर दोबारा रिफंड करवा लेता था
- ऑनलाइन ठगी के मामले में विकास विश्नोई को 28 सितम्बर को गिरफ्तार किया था, आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है

फलोदी एसपी पूजा अवाना ने बताया कि ऑनलाइन ठगी के मामले में मदरुपाणियों की ढाणिया फतेहसागर लोहावट निवासी विकास विश्नोई को गिरफ्तार किया है। उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। एसपी पूजा अवाना ने बताया कि 28 सितंबर की रात पुलिस थाना बाप एसएचओ मनोज कुमार को चेकपोस्ट पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो नजर आई। रुकवाकर पूछताछ की और तलाशी ली तो उसमें 9 मोबाइल फोन, 39 मोबाइल सिम, 4 पासबुक, 10 एटीएम कार्ड, 6 आधार कार्ड और लाखों रुपए के ट्रांजेक्शन के हिसाब-किताब की डायरियां और अन्य सामग्री मिली। इस पर युवक को थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन शॉपिंग और गेमिंग एप से ऑनलाइन फ्रॉड करता है। अब तक आरोपी करीब 60 लाख रुपए की ठगी कर चुका है।

झांसा देकर डबल रिफंड करवाता :- अब तक की पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विकास गेमिंग कंपनियों से गेम जीतने के बाद जो रुपए मिलते थे उन्हें वापस रिफंड करवा लेता था। कंपनियों को अपने खाते में पैसे नहीं आने का बोलकर रिक्वेस्ट भेजता था। जब कंपनी वापस पैसे डालती तो उन्हें अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कर लेता था। इसका पता चलने पर कंपनी की ओर से इसकी आईडी ब्लॉक कर दी जाती थी। इस पर वापस नए नंबर से रिक्वेस्ट शुरू कर देता था। ठीक इसी तरह विकास ऑनलाइन शॉपिंग ऐप से भी ठगी करता वह सामान मंगवा कर दोबारा लौटा देता और रिफंड आ जाने के बावजूद फिर से रिफंड की रिक्वेस्ट डालता। ऐसे में कंपनी को उसे रिफंड देना पड़ता।

जॉब के बजाय चुनी ठगी की राह :- पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विकास बिश्नोई ने हमीरपुर की एनआईटी से एक साल पहले मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी जॉब करने के बजाय ठगी के काम में जुट गया। इसके लिए ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों और गेमिंग एप का सहारा लिया और इसके माध्यम से पूरा फ्रॉड का काम कर रहा था। इसी के चलते गेमिंग कंपनियों और शॉपिंग कंपनियों की ओर से भी शिकायत पुलिस में की गई थी।

रिश्तेदारों के खाते किराए पर लिए :- ठगी करने के लिए आरोपी अपने रिश्तेदारों और जान पहचान के लोगों के खाते काम में लेता था और इन खातों पर 30 प्रतिशत कमीशन भी देता था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्कॉर्पियो गाड़ी और बैंक पासबुक, एटीएम और हिसाब किताब की डायरियां बरामद की है। आरोपी से पूछताछ में और भी बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। पुलिस कार्रवाई में थाना अधिकारी मनोज कुमार, हेड कॉन्स्टेबल राजेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल महिपाल, मनोज और रविंद्र शामिल रहे। आरोपी के खिलाफ तकनीकी जानकारी एकत्रित करने में कॉन्स्टेबल महेंद्र उज्जवल की विशेष भूमिका रही।

जिला बचाने के लिए केकड़ी में आन्दोलन तेज

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी जिला बचाओ अभियान के तहत जिला बार एसोसिएशन के तत्वावधान में सोमवार को शहर के घण्टाघर पर अधिवक्ताओं ने सद्बुद्धि यज्ञ किया तथा केकड़ी को जिला यथावत रखने के लिए भजनलाल सरकार को सदबुद्धि देने की कामना की। इधर बार एसोसिएशन के तत्वावधान में लगातार पांचवे दिन सोमवार को भी अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार रखा। इस मौके पर सोमवार सुबह कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं, मुंशीगण, स्टाम्प वेण्डर सहित कचहरी में कार्य करने वाले सभी लोग उपखण्ड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन स्थल पर एकत्रित हुए, जहां से रैली के रूप में घण्टाघर पहुंचे। रैली के दौरान अधिवक्ता केकड़ी जिला बचाओ के नारे लगाते हुए चल रहे थे। घण्टाघर पहुंचने पर अधिवक्ताओ ने सामूहिक रूप से हवन यज्ञ में आहुतियां देकर सरकार को सद्बुद्धि देने की कामना की। इस मौके पर आर्य समाज के अग्निहोत्री अशोक आर्य ने हवन कुण्ड में आहुतियां दिलाई।

- कलेक्ट्रेट के बाहर पांचवे दिन भी धरना जारी, कालेबलिया समाज ने ज्ञापन सौंपा
- बार एसोसिएशन के तत्वावधान में पांचवे दिन अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर आंदोलनरत अधिवक्ताओं ने केकड़ी के घंटाघर चौराहे पर सद्बुद्धि यज्ञ किया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामावतार मीणा ने बताया कि कई दिनों से अधिवक्ताओं द्वारा आन्दोलन किया जा रहा है लेकिन अब भी राज्य सरकार गैर जिम्मेदाराना रवैया अपना रही है जिससे आमजन में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सरकार को अपने उदासीन रवैये को छोड़कर समय रहते केकड़ी जिले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, अन्यथा सरकार को इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि केकड़ी अन्य सभी जिला मुख्यालयों से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा जिले के सभी मानकों पर केकड़ी जिला खरा है, लेकिन फिर भी भाजपा नेताओं ने केकड़ी जिले को हटाने को लेकर बयानबाजी की है। साथ ही सरकार ने केकड़ी जिले में कार्यरत पुलिस अधीक्षक को भी हटाकर केकड़ी एसपी का अतिरिक्त चार्ज अजमेर एसपी को दे दिया है, जिससे आमजन में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन के जिला बचाओ आन्दोलन का विभिन्न सामाजिक व्यापारिक संगठनों का समर्थन प्राप्त है तथा आमजन का भी लगातार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य सरकार केकड़ी जिले को यथावत रखने को लेकर ठोस आश्वासन नहीं देती तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। इस मौके पर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष चेतन धाभाई, मगनलाल लोधा, हेमन्त जैन, हनुमान प्रसाद शर्मा, गजराज सिंह राठौड़, सलीम गौरी, विशाल राजपुरोहित, दशरथ सिंह, सांवरलाल चौधरी, शिवप्रकाश चौधरी आदि मौजूद थे।

वहीं जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर केकड़ी जिला बचाओ समिति के तत्वाधान में लगातार पांचवे दिन भी सोमवार को धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस मौके पर संयोजक रामअवतार सिखवाल, अध्यक्ष रणजीत सिंह केशावत, केकड़ी तहसील अध्यक्ष नन्दलाल गुर्जर, शंकरलाल जाखड मेवदाकलां, नूर मोहम्मद, अब्दुल जब्बार खान, रामचन्द्र मीणा, सुखलाल बैरवा, मुंशीनाथ कालबेलिया, शिवराज सिंह बडवा, सूरजकरण रेगर, सुनीता देवी आदि मौजूद थे वहीं दूसरी ओर सोमवार को कालबेलिया समाज ने भी जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है।

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर राजस्थान प्रदेश विकलांग संघ की ओर से मंगलवार को जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन दिया जायेगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर कांसोटिया ने बताया कि केकड़ी जिले को लेकर हर केकड़ीवासी की जनभावना जुड़ी है तथा केकड़ी के जिला बनने के बाद यहां तेजी विकास होने लगा था लेकिन अब सरकार द्वारा केकड़ी जिले को हटाने का प्रयास किया जा रहा है जिससे जनता में रोष है। इसलिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मुख्यमंत्री से जिले को यथावत रखने की मांग की जायेगी।

पोलेंड के ओजराव और बीकानेर में होगा कला, संस्कृति का आदान-प्रदान

बीकानेर, (निसं)। पोलेंड के शहर ओजराव और बीकानेर में अब कला, संस्कृति का आदान-प्रदान होगा। शिक्षा, खेल आदि क्षेत्रों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दोनों शहर एक साथ मिलकर कार्य करेंगे। इस संबंध में बीकानेर नगर निगम और ओजराव निगम के बीच लेटर ऑफ इंटेट पर हस्ताक्षर हुए। बीकानेर निगम महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित और ओजराव मेयर पावेव केंसलर ने लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए व लेटर का आदान-प्रदान किया। इस दौरान निगम उप महापौर राजेन्द्र पंवार, आयुक्त मयंक मनीष, उपायुक्त यशपाल आहूजा, ओजराव के डिप्टी मेयर व डेलिगेट्स मौजूद रहे। इससे पहले ओमजराव मेयर, डिप्टी मेयर और डेलिगेट्स का नगर निगम पहुंचने पर बैंड की मधुर स्वर लहरियों से स्वागत किया गया। ओजराव मेयर ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। निगम सभागार में हुए कार्यक्रम के दौरान कई पार्षद व शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। निगम सभागार में हुए कार्यक्रम में महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कहा कि मेरे कार्यकाल का यह स्वर्णिम अवसर है कि हमें शहर को नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए दोनों शहरों के बीच लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर हुआ है। हम चाहेंगे की भविष्य में बीकानेर और ओजराव दोनो शहर साथ साथ आगे बढ़ें और आज जो रिश्ता बना है दोनों देशों के शहरों में वो निरंतर बना रहे।

कचरे के ढेर के पास महिला ने बच्चे को जन्म दिया

राहगीर दंपती ने करवाया प्रसव, सड़क पर पड़े अख़बार और घासफूस की सहायता से हुई डिलीवरी

कामां/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कामां थाना इलाके में एक महिला ने कूड़े के ढेर के पास एक बच्चे को जन्म दिया। महिला के साथ में एक लड़की और दो लड़के मौजूद थे। जब राहगीर दंपती ने महिला को चिल्लाते हुए देखा तो, वह रुके और गर्भवती महिला की सड़क पर पड़े अखबार और घासफूस की सहायता से डिलीवरी करवाई। जिसके बाद महिला को कामां अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

महिला ने अपना नाम साहूनि बताया और अपने पति का नाम जाकिर बताया। महिला ने बताया कि वह खानपुर घाटी से कामां आई है लेकिन, वह यह नहीं बता पा रही कि वह यहां तक कैसे आई है और उसके परिवार के लोग कहां हैं। फिलहाल महिला और उसका बच्चा स्वस्थ है। एडवोकेट संजय कुमार ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ अपनी बहन को कोसी चौराहे पर गए थे। कोसी चौराहे के पास एक महिला सड़क पर जोर-जोर से चिल्ला रही थी और रो रही थी। वहां जाकर देखा तो, महिला के प्रसव का दर्द हो रहा था। जिसके बाद संजय की पत्नी ने महिला का प्रसव करवाया। जिसके बाद एम्बुलेंस को फोन कर महिला और उसके बच्चे को अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल महिला की हालत स्वस्थ है। अस्पताल के कर्मचारी महिला से बात करने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे उसके परिवार के लोगों से संपर्क किया जा सके।

- प्रसव के बाद एम्बुलेंस से महिला और बच्चे को अस्पताल पहुंचाया, महिला की हालत स्वस्थ

संजय ने बताया कि दो बार एम्बुलेंस को 104 नंबर पर फोन किया। तब करीब 6 बजे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। जब तक महिला की डिलीवरी हो चुकी थी। जिसके बाद महिला को कामां के अस्पताल पहुंचाया गया। कामां अस्पताल के डॉक्टर सोहित सिंघल (फिजिशियन) ने बताया कि सुबह के समय एक व्यक्ति महिला और उसके बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाकर गया था। महिला और बच्चे की हालत स्वस्थ है। महिला हरियाणा के पुन्हाना इलाके की रहने वाली है। महिला के घर आया पता पूछकर उसके घर सूचना दे दी गई है। महिला यह नहीं बता पा रही कि वह कामां कैसे पहुंची। महिला के पति जाकीर ने बताया कि उसकी पत्नी कल दोपहर दो बजे घर से निकल गई थी। मैंने उसे पूरे दिन और पूरी रात ढूंढा लेकिन, वह नहीं मिली। फिर मुझे आज सुबह सूचना मिली कि आपकी पत्नी कामां अस्पताल में है जिसके बच्चा हुआ है। अस्पताल आया तो, मैंने देखा कि मेरे बच्चे और पत्नी सुरक्षित थे। मेरी पत्नी का दिमागी संतुलन बिगड़ चुका है। वह अक्सर घर से ऐसे ही निकल जाती है। मेरी पत्नी के दिमाग का इलाज भी चल रहा है। मेरी पत्नी की दिमागी हालात करीब 20 साल से खराब है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर, फोनः 07462-233169

क्रमाक : 1633 दिनांक : 25/9/24

ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 17/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के बूंदी, स. माधोपुर व गंगापुरसिटी में विभिन्न स्थानों पर रू. 201.40 लाख के 27 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. MHS2425WSOB03161, MHS2425WSOB03162, MHS2425WSOB03163
MHS2425WSOB03164, MHS2425WSOB03166, MHS2425WSOB03167
MHS2425WSOB03168, MHS2425WSOB03169, MHS2425WSOB03178
MHS2425WSOB03180, MHS2425WSOB03181, MHS2425WSOB03184
MHS2425WSOB03185, MHS2425WSOB03186, MHS2425WSOB03187
MHS2425WSOB03188, MHS2425WSOB03189, MHS2425WSOB03190
MHS2425WSOB03191, MHS2425WSOB03192, MHS2425WSOB03193
MHS2425WSOB03194, MHS2425WSOB03195, MHS2425WSOB03197
MHS2425WSOB03198, MHS2425WSOB03199, MHS2425WSOB03200

अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

DIPR/C/9248/2024

कार्यालय नगर परिषद् सलूम्बर जिला सलूम्बर

PH. No. :- 02906-233438 E-mail ID :- np.salumber@gmail.com

क्रमांक :- न0प0स0/2024-25/1667-1668 दिनांक :- 27.09.2024

ई-निविदा सुचना सं0 05/वर्ष 2024-25

नगर परिषद् कार्यालय सलूम्बर द्वारा नगर परिषद सलुम्बर एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारो/संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	कुल 02 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रु. 20.00 लाख
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	28/09/2024 प्रातः 11.00 बजे से 04/10/2024 सांय 06.55 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	28/09/2024 प्रातः 11.00 बजे से 04/10/2024 सांय 06.55 बजे तक
भौतिक रूप से नगर परिषद् कार्यालय में डी.डी. जमा कराने की दिनांक	05/10/2024 दोपहर 01.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	05/10/2024 सांय 03.00 बजे

WORK NO.	UBN Code	NIB Code
1.	UBN-DLB2425WSOB09289	DLB2425A2966
2.	UBN-DLB2425WSOB09291	DLB2425A2966

राज.संवाद/सी/24/5921 सभापति आयुक्त

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/11/2024-25/3825 दिनांक :- 26.09.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2024-25

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा निम्नांकित योजनाओं के विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	1
कार्यो की अनुमानित लागत	49.00 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	30.09.2024 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	01.10.2024 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	09.10.2024 03:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	10.10.2024 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	10.10.2024 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
UBN NO-	DLB2425GLOB09015

राज.संवाद/सी/24/5916 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलीफ सोसायटी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)

क्रमांकः स्टोर/ई-निविदा/2024/5591-97 दिनांक-25.09.2024

ई-बोली आमंत्रण सूचना 02/2024

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित सामग्री/सेवा के उपापन हेतु निर्माताओं, अधिकृत विक्रेताओं, पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं एवं सेवाप्रदाता ऐजेन्सियों से ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं :-

क्र. सं.	सामग्री/सेवा का विवरण	अनुमानित लागत लाखों में	निविदा शुल्क	RISL प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि
1	औषधियां एवं सर्जिकल आईटम क्रय	95.00	1000	1000	190000
2	एमईटीपी आईटम क्रय	30.00	1000	500	60000

बोली का तिथिवार विवरण-

क्र.सं.	विवरण	तिथि एवं समय
1.	प्रकाशन दिनांक	26.09.2024 दोपहर 1.00 बजे से
2.	बोली प्रपत्र डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि व समय	26.09.2024 दोपहर 1.00 बजे से
3.	प्री-बिड मिटिंग की दिनांक व समय व स्थान	28.09.2024 दोपहर 1.00 बजे राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा
4.	बोली अपलोड प्रारम्भ करने की तिथि व समय	30.09.2024 दोपहर 12.00 बजे से
5.	बोली अपलोड़ करने की अंतिम तिथि व समय	05.10.2024 प्रातः 11.00 बजे तक
6.	बोली शुल्क एवं धरोहर राशि एवं RISL फीस की प्रति जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	05.10.2024 प्रातः 12.00 बजे तक
7.	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	05.10.2024 प्रातः 2.00 बजे तक

निविदा शुल्क, धरोहर राशि एवं RISL शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया- बोली शुल्क, धरोहर राशि बैंकर्स चैक या डी.डी. Member Secretary RMRS District Hospital, Dausa के नाम से बनवाया जाए जो कि Payable at Dausa होना चाहिए। एवं फीस का बैंकर्स चैक या डी.डी. MD RISL, Jaipur के नाम से बनवाया जावे जो कि Payable at Jaipur होना चाहिए। बोली शुल्क, धरोहर राशि RISL Fees को E-Gras के माध्यम से ऑन लाईन चालान के द्वारा भी जमा करवायी जा सकती है। जो कार्यालय की ID-20368 में जमा करवाना आवश्यक है।

विस्तृत जानकारी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते अन्तिम तिथी से पूर्व http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकती है। निविदा प्रपत्र पूर्ण हस्ताक्षर शुदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत करना होगा।

UBN No. 1. MHS2425GLRC03203, 2. MHS2425GLRC03204

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव आर.एम.आर.एस.. जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)

DIPR/C/9281/2024

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 1799 दिनांक :- 27/09/2024

निविदा सूचना संख्या 14/2023-24

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी), जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण, टर्मिनल मार्केट, मुहाना, जयपुर में निर्मित कियोस्क संख्या 1 से 7 तक (सात कियोस्क) को किराया क्रय पद्धति पर देने हेतु खुली बोली द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र मय शर्तो को कार्यालय से प्राप्त किया जाकर दिनांक 07.10.2024 तक दोपहर 01:00 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय में जमा कराये जा सकेगें। खुली बोली प्रकिया दिनांक 07.10.2024 को दोपहर 2:00 बजे कार्यालय भवन में प्रारम्भ होगी। निविदा से सम्बंधित विस्तृत शर्ते एंव विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.rsamb.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। UBN No. DAM2425WSOD00917

राज.संवाद/सी/24/5864 सचिव

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001, दूरभाष सं. 0294-2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262, ई-मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com

क्रमांक :- ननिउ/गैराज/2024-2025/735 दिनांक :- 26/09/2024

ई-निविदा सूचना सं. 09/2024-25

नगर निगम के विभिन्न कार्यो हेतु ट्रेक्टर मय वाटर टेंकर एक वर्ष के लिए (वार्षिक दर संविदा हेतु) किराये पर लगाने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25.00 लाख रू. है। बिड से संबंधित विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 27.09.2024 तथा अंतिम तिथि 07.09.2024 है।

UBN No. : UNP2425WSRC00106

राज.संवाद/सी/24/5892 अधिशाषी अभियन्ता (यान्त्रिक) आयुक्त

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-1887 दिनांक-25/09/2024

Notice Inviting Bid : 04/2024-25

Bids for Construction of BT roads & Renovation & repair works of Culverts [Damaged by Heavy rain] of Sub Dn Bikaner & Pugal [CMBA-2024-25] are invited from interested bidders upto 30.09.2024 [09:30 AM] to 07.10.2024 [06:00 PM] & Open date 08.10.2024 [02:00 PM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http:// sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 114.08 Lakh.

UBN No. 1. PWD2425WSOB06492, 2. PWD2425WS0B06493, 3. PWD 2425WSO B06494

Executive Engineer, PWD Distt. Dn-I, Bikaner

DIPR/C/9222/2024

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन) सं. 02/2024 का परिशिष्ट
तकनीशियनों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

सीईएन 02/2024 को 18 श्रेणियों में तकनीशियनों (ग्रेड I: श्रेणी नंबर 1 में 1092 रिक्तियां; ग्रेड III: नंबर 02 से 18 तक की श्रेणियों में 8052 रिक्तियां) की भर्ती के लिए 09.03.2024 को प्रकाशित किया गया था। आवेदन 09.03.24 से 08.04.24 तक स्वीकार किए गए थे। अब, तकनीशियन ग्रेड III में 22 नई श्रेणियां शामिल होने के साथ, तकनीशियन ग्रेड III में कुल रिक्तियां संशोधित होकर 13206 हो गई हैं।

केवल तकनीशियन ग्रेड III (श्रेणी संख्या 2 से 40) की सभी 39 श्रेणियों के लिए नए पात्र उम्मीदवारों से लागू शुल्क के साथ नए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। मौजूदा उम्मीदवार जिन्होंने तकनीशियन ग्रेड III के लिए सफलतापूर्वक आवेदन किया था, को बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के सभी 39 तकनीशियन ग्रेड III के लिए आवेदन करने और श्रेणियां और प्राथमिकता बदलने के साथ आरआरबी बदलने के लिए भी अपने भुगतान किए गए आवेदन तक पहुंचने का अवसर दिया जाता है। आवेदन **केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से** जमा किए जाने चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियां

आवेदन खुलने की तिथि : 02 अक्टूबर 2024
आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि : 16 अक्टूबर 2024 (23:59 बजे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (रु.)	चिकित्सा मानक	01.07.2024 को आयु	कुल तकनीशियन ग्रेड III रिक्तियां (सभी आरआरबी)
तकनीशियन ग्रेड III	2	19,900/-	09.03.2024 को जारी विस्तृत सीईएन 02/2024 (अनुलग्नक-ए) और 27.09.2024 को जारी शुद्धिपत्र और परिशिष्ट संख्या 2 (अनुलग्नक-ए2) देखें।	18-33 वर्ष	**13206**

अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध सभी भाग लेने वाले आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर 09.03.2024 को प्रकाशित विस्तृत सीईएन संख्या 02/2024 और 27.09.2024 को जारी शुद्धिपत्र और परिशिष्ट संख्या 2 देखें।

सीईएन सं. 02/2024 में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइट

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	अजमेर www.rrbajmer.gov.in	बेंगलुरू www.rrbbnc.gov.in	भोपाल www.rrbbhopal.gov.in
भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in
गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	जम्मू-श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	माल्दा www.rrbmalda.gov.in
मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
रांची www.rrbranchi.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in	तिरुवनंतपुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	*****	*****	*****

यह सूचना पूर्णतः सांकेतिक प्रकृति की है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सं. आरआरबी/अज/विज्ञापन/02/2024
दिनांक: 01-10-2024

अध्यक्ष रेलवे भर्ती बोर्ड

"दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

नेगोशिएशन का विकल्प अतिरिक्त विवाद निस्तारण के तौर पर करना चाहिए : जस्टिस अशोक कुमार जैन

नेगोशिएशन का महत्व पुरातन काल से ही रहा है तथा लम्बे समय से ग्रामीण परिवेश में ही छोटे-मोटे झगड़ों का निस्तारण पंचायत के माध्यम से किया जाता रहा है : आर.डी.रस्तोगी

जयपुर। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय आर के रस्तोगी मेमोरियल राष्ट्रीय नेगोशिएशन प्रतियोगिता 2024 का सफल आयोजन किया। जिसका समापन 29 सितंबर को हुआ। जिसमें राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अशोक कुमार जैन मुख्य अतिथि रहे। समारोह के अध्यक्षता प्रोफेसर डॉक्टर अल्पना कटेजा उप कुलपति राजस्थान विश्वविद्यालय ने की तथा सशस्त्र बाल अधिकरण के अध्यक्ष एवं न्यायिक सदस्य न्यायाधिपति गोवर्धन बाढ़दार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय आर.के.रस्तोगी मेमोरियल राष्ट्रीय नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन 29 सितंबर को हुआ। इसमें राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अशोक कुमार जैन मुख्य अतिथि रहे। समारोह के अध्यक्षता प्रोफेसर डॉक्टर अल्पना कटेजा उप कुलपति राजस्थान विश्वविद्यालय ने की तथा न्यायिक सदस्य न्यायाधिपति गोवर्धन बाढ़दार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में देशभर की लगभग 35 से अधिक टीमों ने भाग लिया, दो दिवसीय प्रतियोगिता का चार चरणों में आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ताओं ने प्रतिभागिओं कौशल को सराहा। गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी दिल्ली की टीम विजेता रही एवं सिंबोसिस लॉ कॉलेज पुणे में द्वितीय स्थान प्राप्त किया साथ ही सर्वश्रेष्ठ नेगोशिएटर तान्या खनोजा रही, स्पिरिट ऑफ़ द कम्पीटीशन का पुरस्कार देव माहेश्वरी ने प्राप्त किया।

समापन समारोह में न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने कहा कि नेगोशिएशन का विकल्प विवाद निस्तारण नहीं बल्कि अतिरिक्त विवाद निस्तारण के तौर पर विकसित करना चाहिए जिसमें छोटे मामले न्यायालय में न पहुंचे और न्यायालय पर अधिक भर काम किया जा सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर कल्पना कटेजा ने कहा कि नेगोशिएशन केवल वकील को ही नहीं अपितु प्रत्येक व्यक्ति को सीखना चाहिए तथा सफल नेगोशिएशन का मुख्य आधार धैर्य से आता है तथा उन्होंने प्रतियोगिता के बारे में कहा कि इस प्रतियोगिता से सभी कुछ ना कुछ सीख कर जाएंगे। न्यायाधीश गोवर्धन बाढदार ने नेगोशिएशन का आधिकारिक उपयोग कर इससे आपसी विवादों को सुलझाने की सलाह दी।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राज दीपक रस्तोगी जो कि इस प्रतियोगिता के संरक्षक भी है, ने कहा नेगोशिएशन का महत्व पुरातन काल से ही रहा है तथा भारत में लम्बे समय से ग्रामीण परिवेश में ही छोटे-मोटे आपकी झगड़ों का निस्तारण पंचायत के माध्यम से किया जाता रहा है और और मूलत: भारतीयों का नेगोशिएशन से आपसी समझाइश में इसमें गहरा विश्वास रहा है।

वीजीयू के सीईओ इंजीनयर ओंकार बगड़िया ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह अत्यंत आवश्यक है कि अधिवक्ता एवं न्यायिक अधिकारी टेक्नोलॉजी का पूर्ण उपयोग सीखें करें जिससे भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के आने से नेगोशिएशन तथा अन्य न्याय वितरण प्रक्रिया को और अधिक कुशल बन सके वीजीयू के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री संतोष कुमार ने कहा कि नेगोशिएशन को हर घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है ताकि छोटे-मोटे विवाद उत्पन्न ही ना हो और यदि हो भी तो आपसी समझाईश से सुलझाई जा सके।वीजीयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर प्रवीण चौधरी तथा विधि विभाग के डीन प्रोफेसर पी. पी. मित्रा ने सभी को इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

विधि विभाग की अध्यक्ष शिल्पा राव रस्तोगी ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शैक्षिक एवं शैक्षिणक साथियों तथा सभी छात्रों को समारोह को सफल बनाने का श्रेय दिया तथा भविष्य में इसी प्रकार की अगली अंतरराष्ट्रीय नेगोशिएशन प्रतियोगिता आयोजित करने की बात कही।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ''मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ'' अभियान की शुरूआत आज

नई दिल्ली/जयपुर। देश के किसानों के लिए भारत सरकार का कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा ''मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ'' छठा संस्करण शुरू होने जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत 1 अक्टूबर से होगी और 31 अक्टूबर तक चलेगा। मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान के तहत पूरे देश के 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 4.5 करोड़ से अधिक किसानों को फसल बीमा पॉलिसी के दस्तावेज़ वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत सभी बीमित किसानों को उनके पॉलिसी दस्तावेज उन्हें उनके हाथों में सौंपे जाएं ताकि उनको उनके फसल बीमा से संबंधित सभी जानकारी पूरी तरह से पारदर्शी हो।

- **देश के 4.5 करोड़ से ज्यादा किसानों के लिए यह अभियान 1 से 30 अक्टूबर तक चलेगा**

किसानों को सशक्त बनाने का मिशन

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान का एक उद्देश्य किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी के प्रति जागरूक करना है ताकि किसानों को बीमा भुगतान संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। ये अभियान किसानों को सशक्त और प्रोत्साहित करने के लिए चलाया जा रहा है। जागरूकता बढ़ाने के लिए, भारत सरकार किसानों को प्रशिक्षण देने और उनकी शिकायतों से निपटने के लिए फसल बीमा पाठशालाओं के साथ-साथ फसल बीमा के बारे में कम जागरूकता वाले क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक भी आयोजित करेगी।

ये समुदाय-स्तरीय सहभागिताएं किसानों को फसल बीमा के लाभों के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान करेंगी

किसानों को मिलेगा आर्थिक कवच

जलवायु परिवर्तन और अप्रत्याशित मौसम के बदलाव से किसानों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है ऐसे में मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान का उद्देश्य किसानों के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करना है।

तालकटोरे में मिला महिला का शव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । माणक चौक थाना इलाके में स्थित तालकटोरे में सोमवार को एक महिला का शव पड़ा मिला। पानी की सतह पर महिला का शव देख वहां घूमने आए लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला और सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर भिजवाया। पुलिस ने घटना स्थल पर आसपास के लोगों से पूछताछ की । लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई।

पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर 1 बजे के आसपास तालकटोरा में पानी की सतह पर एक महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाल कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी।

मृतका की उम्र करीब 45 से 50 साल बताई जा रही है। दो -तीन पुराना शव होने के कारण पानी में फूल गया और पानी से बाहर आ गया। पुलिस ने शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा कर मृतका के परिजनों की तलाश शुरु कर दी है।

सार-समाचार

हृदय रोग चिकित्सा पर सेमीनार

कूकस स्थित जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित इंजीनियर रवि भटनागर मेमोरियल लेक्चर में डॉक्टर अश्विनी कुमार शर्मा को महर्षि सुश्रुत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जयपुर । कूकस स्थित जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में अभ्येति फाउंडेशन के सहयोग से सोमवार को इंजीनियर रवि भटनागर मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। इस लेक्चर के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि फॉर्टिस हॉस्पिटल जयपुर के डॉक्टर अश्विनी कुमार शर्मा थे, जिन्होंने हृदय रोग चिकित्सा एवं लाइफ सेविंग स्किल पर अपना व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में डॉ. शर्मा ने हृदय रोग एवं रक्त वाहिकाओं से संबंधित रोगों पर प्रकाश डाला और समझाया कि यह रोग किस प्रकार होते हैं, किस कारण से होते हैं तथा इनका निवारण या इनसे बचाव किस प्रकार किया जा सकता है। डॉ. शर्मा ने यह भी समझाया कि धूम्रपान खराब आहार या व्यायाम की कमी जैसी आदतों के कारण इन बीमारियों का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। डॉ शर्मा ने दिल के दौरे के जोखिम से बचने के उपाय भी बताए। व्याख्यान के अंत में डॉ अश्वनी शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से प्रश्न उत्तर भी किए। कार्यक्रम के अंत में अभ्येती फाउंडेशन की ओर से डॉक्टर अश्विनी शर्मा को महर्षि सुश्रुत पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। अंत में कॉलेज निदेशिका डॉक्टर सुनीता रावत ने अभ्येती फाउंडेशन की संस्थापिका सीमा भटनागर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जे.ई.सी ग्रुप ऑफ कॉलेज के निदेशक ललित सरावगी और अर्चना सरावगी उपस्थित रहे।

मॉब लिंचिंग की अफवाह पर 3 गिरफ्तार

जयपुर । ब्रह्मपुरी थाना इलाके में मामूली झगड़े को मॉब लिंचिंग की घटना बता कर सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने के मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि मामले में शामिल कमल महावर,रोहन और अभय उर्फ धूम को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा शेष आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अब तक की पूछताछ से सामने आया कि पीड़ित मोहम्मद समीर अपनी पावर बाईक पल्सर लेकर सम्राट गेट की तरफ जा रहा था। उसी दौरान आरोपीगण सरफुद्दीन मंसुरी, तनिष्क, कमल महावर पैदल तथा आरोपी रोहन वाल्मीकि, अभय उर्फ धूम वाल्मीकि व एक अन्य उनके साथ धीरे धीरे स्कूटी पर सम्राट गेट से बाहर की और साथ साथ जा रहे थे। इसी दौरान सम्राट गेट के पास परिवादी की पावर बाइक आरोपी के एकदम नजदीक से कट मारकर निकालने की बात को लेकर दोनो पक्षों में आपस में कहासुनी होने लग गयी थी। जो आपसी कहासुनी मारपीट में तब्दील होकर परिवादी के साथ आरोपी द्वारा मारपीट की गई । जिस पर मौके पर झगड़े को देखकर राहगीर इत्यादि के आने पर आरोपी मौके से फरार हो गये।

टाईम बैंक मनाएगा वृद्धजन दिवस

जयपुर । वैश्विक स्तर पर एक अक्टूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर हर साल की भांति इस वर्ष भी टाईम बैंक ऑफ इंडिया 1 अक्टूबर को भारतीय विद्या भवन, जयपुर केंद्र के साथ संयुक्त रूप से महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्तर पर विस्तृत कार्यक्रम आयोजित कर रहा है । इस कार्यक्रम में लगभग 800 सदस्य भाग लेंगे। कार्यक्रम के सुचारु संचालन हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। समारोह में शामिल होने के लिए कोई शुल्क नहीं हैं। कार्यक्रम के दौरान सक्रिय एडमिन एवं सुपर सीनियर नागरिक जो कि टाईम बैंक के सदस्य हैं उनका सम्मान भी किया जाएगा। समाज कल्याण मंत्री अविनाश गहलोत मुख्य अतिथि होगें। टाईम बैंक ऑफ इंडिया, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज देश का पहला ऐसा बैंक है, जहां बुजुर्गों की सेवा के बदले समय जमा किया जाता है। अर्थात समय एक मुद्रा के रूप में काम आता है। समारोह में भारतीय विद्या भवन, जयपुर केंद्र सहभागी है । केंद्र के प्रेसीडेंट विमल सुराणा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाई कोर्ट जस्टिस एस एन भार्गव, किशन लाल शर्मा, महामंत्री, राजस्थान पेंशनर समाज एवं अरुणेश अग्रवाल, प्रेसीडेंट सनातन धर्म मंदिर, चंडीगढ़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे ।

बजरंग दल ने पकड़ा गोवंश से भरा ट्रक

जयपुर । राजधानी जयपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गोवंश तस्करी का भंडाफोड़ किया। हरमाड़ा थाने के बाहर रविवार रात पुलिस के सहयोग से उन्होंने गोवंश से भरा ट्रक पकड़कर 13 गायों को मुक्त कराया। पुलिस को इसकी सूचना दी गई। हरमाड़ा थाना पुलिस और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ट्रक को थाने के सामने रुकवाया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 13 गाय होलेस्टर नस्ल की मिली। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए ट्रक के टायरों की हवा निकाल दी। पुलिस ने ट्रक में मिली 13 गायों को नजदीकी गौशाला में भेज दिया। वहीं, गोवंश की तस्करी को लेकर हंगामा होने पर पुलिस जाब्ते को मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पूछताछ के लिए राउंडअप किया। एसीपी (चौमूं) अशोक चौहान ने बताया कि चौमू की तरफ से एक ट्रक में गोवंश भरकर लाने की सूचना मिली थी। ट्रक में गोवंश मिलने पर तस्करी करने को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। हंगामा होने पर पास के थाने से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भी मौके पर तैनात किया गया। पुलिस ने गायों को मंशारामपुरा गौशाला में भेजकर ट्रक ड्राइवर पवन कुमार निवासी महेन्द्रगढ़ को राउंडअप किया।

देश विरोधी ताकतों को समाप्त करने के लिए भाजपा को मजबूत करना होगा : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में पंचायत राज प्रकोष्ठ की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश विरोधी ताकतों को समाप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना होगा। इसके सदस्य अभियान से अधिक से अधिक जन सामान्य को जोड़कर मजबूत करना होगा। इस अभियान में पंचायत राज प्रकोष्ठ की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज के अंतिम छोर तक पहुंच का सुगम माध्यम है।

- **'सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन सामान्य तक लेकर जाएं, फिर सदस्य बनाएं'**
- **भाजपा पंचायत राज प्रकोष्ठ की सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा बैठक**

बैठक को संबोधित करते हुए पंचायत राज केबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने कार्यक्रताओं से आग्रह किया कि सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन सामान्य तक लेकर जाएं और लोगों को लाभ पहुंचा कर पार्टी से जोड़कर राष्ट्र को मजबूत करने में प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभाएं। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्य अभियान सहसंयोजक मोती लाल मीणा ने सदस्यता अभियान के लिए पदाधिकारियों को प्रवास करने एवं निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने का आव्हान किया।

प्रदेश संयोजक रघुवीर सिंह चौधरी ने बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों का संगठनात्मक कार्य विभाजन करते हुए जिला प्रभारियों एवं जिला संयोजकों को सदस्यता लक्ष्य निर्धारित करते हुए पुरा करने का निर्देश दिया। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी भुपेंद्र सैनी, प्रकोष्ठ के सहसंयोजक गोविंद प्रभारी, राजेन्द्र मीणा, पायल परसरामपुरिया, उदय सिंह, भावना सैनी, मनिष व्यास, माधव चौधरी सहित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जिला संयोजक उपस्थित रहे।

जिंदा बम प्रकरण में बयान दर्ज कराए

जयपुर। जयपुर बम ब्लास्ट मामलों की विशेष अदालत में सोमवार को मई 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से गलता गेट थाने के तत्कालीन एसएचओ सुरेश कुमार ने बयान दर्ज कराए। मामले में कुल 115 गवाहों में से 107 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। बयान में सुरेश कुमार ने कहा कि 13 मई 2008 को उन्हें तत्कालीन नॉर्थ एसपी से बम ब्लास्ट की सूचना मिली थी। वे जौहरी बाजार में एलएमबी के पास दुकान नंबर 81 पर गए थे। वहां पर उन्होंने मौका नक्शा बनाया और वहां से साइकिल, छर्रे, जूते व एक पानी की टंकी जब्त की थी।

राज.वि.वि.में वर्ष 2005 में लागू हुई सामूहिक छात्र दुर्घटना सहायता योजना

जयपुर, (का.सं.)। श्री विशन सिंह शेखावत शोध एवं शिक्षण संस्थान राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के अध्यक्ष डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय में वर्ष 2005 में सामूहिक छात्र दुर्घटना सहायता योजना लागू हुई। राजस्थान विश्वविद्यालय में वर्ष 2005 में यह योजना स्थाई रूप ले चुकी है। वर्तमान में इस योजना के तहत मृत छात्र के मनोनीत परिजन को 12 लाख, एवं दुर्घटना में घायल छात्र को चिकित्सा के लिए 1 लाख रुपए दिए जा रहे हैं, सहायता की यह कुल राशि करोड़ों में पहुंच गई है।

विधि महाविद्यालय से जुड़े एक 22 वर्षीय छात्र की वर्ष 2004 में कॉलेज से घर जाते समय एक सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। अपनी विधवा माता का यह एकलौता पुत्र था, परिवार की दयनीय आर्थिक स्थिति को सामने रखते हुए इस छात्र के परिजनों एवं मित्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष इस छात्र के परिवार, विशेष रूप से इसकी विधवा माता की आर्थिक मदद की गुहार लगाई। विश्वविद्यालय प्रशासन मदद की भावना रखते हुए भी विश्वविद्यालय में इस तरह की सहायता का कोई विशेष प्रावधान न होने के कारण असहाय हो गया।

'आमजन भी भाजपा में शामिल हों'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिले की सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा बैठक की। मनोहरपुरा के एक निजी गार्डन में बैठक को संबोधित करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार लगतार जनहितैषी कार्य कर रही है। फिर चाहे वो बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने हो, या फिर गरीब, दलित और वंचितों के हितों के लिए योजनाओं को शुरू करने की बात हो। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हर वर्ग के लिए कार्य कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन की भी जिम्मेदारी है कि वे भाजपा परिवार में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूती प्रदान करें।

राठौड़ ने कहा कि वर्तमान समय की जरूरत को देखते हुए हर नागरिक को जागरूक होने की आवश्यकता है।

- **भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर देहात उत्तर जिले की समीक्षा बैठक की**

देश-प्रदेश में चल रही गतिविधियों पर नजर रखने की आवश्यकता है। वहीं भाजपा के सदस्यता अभियान में घर-घर जाकर सदस्य बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय होना पडेगा। भाजपा कार्यकर्ता प्रतिदिन कुछ समय निरंतर सदस्यता अभियान को अवश्य दें। समीक्षा बैठक में राठौड़ ने प्रत्येक कार्यकर्ता को 200 सदस्य बनाने का संकल्प दिलाया।

बैठक में जमवारामगढ विधायक महेंद्र पाल मीणा, भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इस दौरान पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, भाजपा नेता उपेन यादव, शाहपुरा पालिका अध्यक्ष बंशीधर सैनी, मनोहरपुर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत, मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश नाई, जिला महामंत्री बृजेश सोनी, जिला मंत्री ताराचंद चौधरी, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष भगवान सहाय बेनीवाल, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामावतार असवाल सहित कई विधायकगण, विधायक प्रत्याशी, जिला पदाधिकारी, पार्टी के निर्वाचित प्रधान ,नगर पालिका अध्यक्ष, उप प्रधान, जिले में रहने वाले प्रदेश पदाधिकारी, सदस्यता अभियान एवं सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक, सहसंयोजक सभी मोर्चों के जिला अध्यक्ष, महामंत्री सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री ,सदस्यता अभियान के सभी मंडल संयोजक, सहसंयोजक उपस्थिति रहे।

'ओपन जेल की आवास क्षमता कम नहीं होगी'

जयपुर। सांगानेर स्थित ओपन एयर जेल की जमीन पर अस्पताल बनाए जाने के मामले में राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब पेश किया गया। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने जवाब पेश कर कहा कि ओपन जेल के लिए 14,940 वर्गमीटर जमीन का और आवंटन किया जाएगा। वहीं इसकी वर्तमान आवास क्षमता 410 को कम नहीं किया जाएगा। इसके अलावा जेल के पास की 22,232 वर्गमीटर जमीन का आवंटन तीन सौ बैड के अस्पताल के लिए किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि सांगानेर में अस्पताल की आवश्यकता को देखते हुए सरकार वहां इसका निर्माण करेगी और जमीन का आवंटन किया जाए।

गांधी वाटिका को सेलिब्रेट करने का निर्णय

जयपुर । पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था ने 1 अक्टूबर 2024 को सुबह 7 से 8 तक गांधी दर्शन वाटिका को सेलिब्रेट करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में संजय त्यागी एडवोकेट और पूनम चन्द भंडारी एडवोकेट भी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम गांधी दर्शन वाटिका सेंट्रल पार्क गेट नंबर 5 पर होगा।

संयोजक डॉ. टी एन शर्मा एडवोकेट और सह-संयोजक कमलेश सक्सैना एडवोकेट ने बताया कि सेंट्रल पार्क सी-स्कीम जयपुर में एक लक्ष्मी विलास होटल था और वह अवैध तरीके से करीब 15 हजार गज जमीन पर कब्जा करके बनाया गया था तथा एक अन्य व्यक्ति ने करीब 5000 गज जमीन पर कब्जा कर मकान बनाकर रह रहा था। जिसके लिए एडवोकेट संजय त्यागी ने जनहित याचिका लगाई, कई वर्षों तक पूनम चन्द भंडारी एडवोकेट ने उस याचिका पर पैरवी की। सुप्रीम कोर्ट तक एडवोकेट भंडारी ने पैरवी करते हुए की, जिस पर अदालत ने लक्ष्मी विलास होटल पर जुर्माना भी लगाया और इस पूरे होटल और अन्य जगहों से कब्जा हटाकर जेडीए ने कब्जा प्राप्त किया। सेंट्रल पार्क की इस जमीन पर आम जनता के लिए गांधी वाटिका बनाई गई है, जिसे 2 अक्टूबर को सरकार आम जनता के लिए खोलेगी।

लंबे समय के बाद खुली हाउसिंग बोर्ड की ई-नीलामी : डॉ.रश्मि शर्मा

'जयपुर समेत प्रदेश के प्रमुख शहरों में चार स्लॉट्स में की जाएगी प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से लंबे समय बाद राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी की जा रही है। राजस्थान आवासन मण्डल ने जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में स्थित आवासीय-व्यावसायिक भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के माध्यम से उपलब्ध करवाए हैं।

आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने कहा कि राजस्थान आवासन मंडल एक बार फिर आमजन के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम संपत्ति खरीदने का आमजन के पास अब मौका है। आवासन मंडल की ओर से जयपुर, भरतपुर, फलौदी, बीकानेर, अलवर, चूरू, सीकर, जोधपुर और भिवाड़ी में प्रीमियम संपत्तियों की ई-नीलामी की जा रही है।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि त्योहारी सीज़न में आमजन के लिए प्रीमियम प्रॉपर्टी खरीदने का यह सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि आवासन मंडल की ओर से आगे भी विभिन्न आवासीय योजनाओं व नीलामी के प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

नीलामी में भाग लेने और अधिक जानकारी के लिए आमजन विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन करके अथवा हेल्पलाइन नं. 0141-2744688, 2740009, एवं 9460254319, पर संपर्क कर सकते है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि राजस्थान में 4 स्लॉट्स में ई-नीलामी होगी। 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर और 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 4 अलग-अलग स्लॉट्स में भूखंडों की नीलामी होगी। जिनमें आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह के भूखंड और आवासीय निर्माण शामिल हैं।

किस शहर में कितनी प्रीमियम सम्पत्ति?

- **जयपुर में 11 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 39 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 31 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**
- **बीकानेर में 46 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**
- **भिवाड़ी में 3 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 29 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**
- **फलौदी में 1 बड़ा व्यावसायिक भूखंड**
- **अलवर में 3 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड और निर्मित आवास**
- **चूरू में 9 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**
- **सीकर में 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**
- **भरतपुर में 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास**

कांग्रेस आज ज्ञापन देगी

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस की ओर से आमजनता की समस्याओं एवं मांगों को प्रदेश सरकार तक पहुंचाने तथा सरकार को नींद से जगाने हेतु 1 अक्टूबर को जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम जन समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया जाएगा।

बिच्छीवाड़ा सीडीपीओ का निलंबन

जयपुर । शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग महेन्द्र सोनी ने बताया कि डूंगरपुर जिले की बिच्छीवाड़ा बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) ललीता कटारा को उडान योजनान्तर्गत सेनेटरी नेपकिन आपूर्ति के 2 माह बाद तक भी भौतिक सत्यापन नहीं किये जाने की लापरवाही के लिए निलंबित किया गया है।

सरकारी हॉस्पिटल में ओ.पी.डी. का समय सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक

जयपुर । सर्दी के सीजन की शुरुआत होने से पहले हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी सरकारी हॉस्पिटल की ओपीडी टाइमिंग में बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत मंगलवार 1 अक्टूबर से हॉस्पिटल में ओपीडी सुबह 9 बजे से शुरू होगी और दोपहर 3 बजे तक संचालित होगी।

जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज, आरयूएचएस से अटैच हॉस्पिटल समेत तमाम पीएचसी, सीएचसी, उप जिला हॉस्पिटल में आज से ओपीडी के समय में बदलाव के आदेश जारी किए हैं। जेके लोन हॉस्पिटल जयपुर के अधीक्षक डॉक्टर कैलाश मीना ने बताया कि ओपीडी का समय मंगलवार से सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा।

बच्चों से शिक्षकों द्वारा की गई मारपीट व अभद्र भाषा की शिकायत पर जांच शुरु

कमेटी के सदस्यों ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों से तथ्य जुटाए

भरतपुर, (निस)। जिला कलेक्ट्रेट के समक्ष चल रहे न्यू मथुरा गेट राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय के बच्चों की शिक्षकों द्वारा बुरी तरह मारपीट एवं अभद्र भाषा की शिकायत को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर शिक्षा विभाग द्वारा गठित तीन सदस्यीय टीम सोमवार को विद्यालय पंहुची।

वहां मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य दिनेश सिंह की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय टीम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा के प्रधानाचार्य दिलीप गर्ग व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुनारी की प्रधानाचार्या रितु कुन्तल ने विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से करीब 15 बिन्दुओं के आधार पर घटना की तथ्यात्मक रिपोर्ट ली। जिसमें बच्चों को विद्यालय के शिक्षकों के नाम, पढ़ाए जाने वाले विषयों के शिक्षकों, शिक्षकों के व्यवहार, विद्यालय में मोबाइल चलाने सहित कई बिन्दुओं पर राय जानी। इसी प्रकार बच्चों के अभिभावकों से भी विद्यालय की स्थिति पढ़ाई का स्तर, शिक्षकों के व्यवहार आदि पर जानकारी ली गई। इसी प्रकार विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रजनी एवं शिक्षकों से भी बिन्दुवार जानकारी ली गई। वहीं जब जांच कमेटी के द्वारा की जा रही जांच की खबर स्थानीय कॉलोनी के नागरिकों को मिली तो वे भी विद्यालय पहुंच गए।

स्थानीय निवासियों का कहना था कि मारपीट की घटना काफी गंभीर है। जिसमें बच्चों को बुरी तरह पीटा गया है तो यह गलत है। इसकी निष्पक्ष जांच की जानी है। 26 सितम्बर को न्यू मथुरा गेट राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय के करीब एक दर्जन विद्यार्थियों ने अति. जिला कलेक्टर प्रशासन को शिकायत देकर बताया था कि विद्यालय के शिक्षक राहुल, चेतन व महिला शिक्षिका आशा पर बुरी तरह मारपीट व अभद्र व्यवहार किया है। बच्चों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा को अपनी चोटें भी दिखाई थी, जिस पर उन्होंने शिक्षा विभाग को जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे।

तीन सदस्यीय जांच टीम ने स्कूल में जाकर विद्यार्थियों से जानकारी ली।

- अगले दो दिन में तीन सदस्यों की जांच कमेटी तथ्यों के आधार पर अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत करेगी
- 26 सितम्बर को न्यू मथुरा गेट राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय के एक दर्जन विद्यार्थियों ने अति. कलेक्टर प्रशासन को शिकायत दी थी

सुरक्षा गार्ड से मारपीट मामले में इनामी बदमाश गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। डीएसटी टीम धौलपुर और मनियां सीओ कार्यालय द्वारा कार्रवाई करते हुए परिवहन विभाग धौलपुर के सुरक्षा गार्ड से की मारपीट के मामले में फरार चल रहे 15 हजार रुपये के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है, जिससे पुलिस अब मामले में गहनता से पूछताछ कर रही है। मनियां सीओ राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में रामदीन गुर्जर पुत्र लायकसिंह गुर्जर निवासी भैंरो का पुरा मौरोली हाल गुर्जर कौलोनी जीटी रोड धौलपुर को वाटरवर्क्स चौराहा से गिरफ्तार किया है।

मनियां सीओ राजेश कुमार ने बताया कि 19 नवंबर 2009 को नेशनल हाईवे स्थित बगचौली मोड़ के पास परिवहन विभाग धौलपुर के सुरक्षा गार्ड द्वारा अवैध वाहनों की रोकथाम करने पर जबरदस्ती अवैध वाहनों को निकालकर व सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के सम्बन्ध में दूसरे दिन 20 नवंबर को एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था।

उन्होंने बताया कि इसके बाद उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा वर्ष 2014 में उक्त प्रकरण के अनुसन्धान पर रोक होने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। उच्च न्यायालय द्वारा फरवरी 2024 में उक्त अनुसन्धान से रोक को हटाये जाने के आदेश प्राप्त होने पर प्रकरण में कार्रवाई की गई। जिसमें फरार चल रहे आरोपी रामदीन गुर्जर पुत्र लायक सिंह डीएसटी प्रभारी दीनदयाल मय टीम द्वारा कांस्टेबल अश्विनी, गौरव सीओ कार्यालय मनियां की सूचना पर वाटरवर्क्स चौराहे से गिरफ्तार किया है।

मनियां सीओ राजेश कुमार ने बताया कि बदमाश रामदीन गुर्जर की गिरफ्तारी पर एसपी धौलपुर की ओर से 15 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। उसी प्रकरण में अब बदमाश रामदीन गुर्जर का साथी बदमाश संजय वर्मा फरार चल रहा है, जिस पर भी 15 हजार रुपये का ईनाम घोषित है। सीओ ने बताया कि बदमाश संजय वर्मा की तलाश जारी है, जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

डीएसटी टीम धौलपुर व मनियां पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

- दूसरे इनामी बदमाश संजय वर्मा की तलाश जारी
- परिवहन विभाग धौलपुर के सुरक्षा गार्ड से मारपीट का मामला

सैनिटरी नैपकिन गबन मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। उड़ान योजना में गबन कर सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाने के मामले में बासनी पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस नोएड़ा से संजय झा को गिरफ्तार कर जोधपुर लाई है। संजय झा नोएड़ा में ऑनलाइन बिजनेस का काम करता है। इसी ने प्रदेश में निशुल्क सप्लाई होने वाले सैनिटरी पैड को गिरोह के लोगों से सस्ते दामों में खरीदा था। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश कर रही थी। इससे पहले इस मामले से जुड़े कई लोगों को बासनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

बासनी पुलिस के अनुसार नोएड़ा निवासी संदीप कुमार पुत्र मिहिरकांत झा को पुलिस गिरफ्तार कर थाने लाई है। आरोपी सरकारी निशुल्क पैड योजना के गबन मामले में आरोपी है जिसकी पुलिस लम्बे समय से तलाश कर रही थी। पुलिस ने बताया कि संजय ने प्रदेश में निशुल्क वितरित होने वाले सैनिटरी पैड को गिरोह के लोगों से सस्ते दामों में खरीदा था और उसका रेपर बदलकर महंगे दामों में बेच रहा था। पुलिस अब उससे इस मामले की पूरी जानकारी जुटा रही है।

यह था मामला :-गत 21 मई की रात जीएसटी चोरी के संदेह में सीजीएसटी इंस्पेक्टर लीलाधर जाट व उनकी टीम जोधपुर के सांगरिया रोड पर नाकाबंदी कर ट्रक, टेलर और कंटेनर की जांच कर रही थी। इसी दौरान हरियाणा नंबर का एक कंटेनर आया। टीम को शक हुआ तो कंटेनर को खोला गया, जहां प्लास्टिक के कट्टों में सैनिटरी पैड भरे हुए थे। ड्राइवर से इसकी बिल्टी मांगी तो उसने पोकरण से नोएड़ा की बिल्टी दी। टीम ने कट्टों को खुलवाकर जांच की तो सैनिटरी पैड पर राजस्थान सरकार द्वारा निशुल्क वितरण का टैग लगा हुआ था। ड्राइवर से इन फ्री पैड की राजस्थान से नोएडा में सप्लाई का कारण पूछा तो वह जवाब नहीं दे पाया। जीएसटी की टीम ने कालाबाजारी के शक में बासनी पुलिस को सूचना दी। बासनी पुलिस ने मामला दर्ज किया और खेतड़ी निवासी कंटेनर ड्राइवर कैलाश धानका को गिरफ्तार किया था। इस कंटेनर में उड़ान योजना के 1 लाख 85 हजार सैनेटरी पैड थे, जो नोएड़ा सप्लाई होने जा रहे थे।

चंदन के पेड़ चोरी करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गुलाबबाग में गार्ड को बंधक बनाकर चंदन पेड़ काटकर चुरा ले जाने वाली गैंग के मुख्य सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 17 जुलाई को पीड़ित दशरथ सोनी पुत्र चांदमल सोनी निवासी ब्रम्हपोल हॉल गुलाब बाग गार्ड ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं व साथी राजकुमार कुमावत दोनों ड्यूटी पर थे। रात में नकाब पहनकर आए अज्ञात छह व्यक्ति धारदार हथियार दिखाकर एकांत में ले जाकर बंधक बना बिठा दिया। इस दौरान उनके साथी गेट के पास लगे दो चंदन के पेड़ काट कर चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर उदयलाल पुत्र गंगाराम निवासी पुरबिया को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ कई जिलों में 30 आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

टोमेटो केचप की आड़ में ले जाई जा रही 50 लाख की शराब पकड़ी

हरियाणा से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी शराब, एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा जिले की कैथून थाना एरिया में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। यह शराब हरियाणा से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस को 327 पेटी में बीयर और शराब की बोतलें मिली हैं। इसकी प्रारंभिक तौर पर कीमत 50 लाख रुपए आंकी जा रही है जिसे टोमेटो केचप की आड़ में तस्करी कर ले जाया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार मामले में पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही ट्रक और शराब को भी जब्त किया गया है। ट्रक में एक फर्जी नंबर प्लेट भी मिली है जो गुजरात की थी। ट्रक पर हरियाणा की नंबर प्लेट लगी हुई है। ऐसे में पुलिस इस पूरे प्रकरण के मामले में जांच पड़ताल में जुट गई है। प्रारंभिक तौर पर पूछताछ में यह भी सामने आया है कि गुजरात में गरबे के दौरान इस अवैध शराब को खपाया जाना था। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि कैथून थाना क्षेत्र में थानाधिकारी सुरेश कुमार और साइबर सेल के सहायक उप निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई है। इस मामले में बाड़मेर जिले के नागाणा थाना निवासी चालक 23 वर्षीय स्वरूप राम जाट के ट्रक को रुकवाया गया।

इसके संबंध में मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध रूप से शराब को ले जाया जा रहा है। जब ट्रक को चेक किया गया तो उसमें टोमेटो केचप के कार्टन रखे हुए थे लेकिन पुलिस को इस पर पहले से ही शक था। ऐसे में गहनता से जांच की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि टोमेटो केचप की पेटियों के बीच में अवैध शराब और बीयर की पेटियां भी रखी हुई हैं। इस पर ट्रक को जब्त किया गया। ट्रक चालक का कहना है कि वह हरियाणा के नंबर का उपयोग राजस्थान और हरियाणा में करता था, जबकि गुजरात बॉर्डर के तुरंत पहले गुजरात के नंबर प्लेट का उपयोग किया जाता था।

- ट्रक में एक फर्जी नंबर प्लेट भी मिली जो गुजरात की थी, ट्रक पर हरियाणा की नंबर प्लेट लगी थी
- पूछताछ में सामने आया है कि गुजरात में गरबे के दौरान इस अवैध शराब को खपाया जाना था

थ्रेशर मशीन की चपेट में आया बालक, मौत

हिंडौन सिटी, (निसं)। बरगमा स्थित मूल्याकापुरा में रविवार को थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से घायल बच्चे की मौत हो गई। घायल को जिला अस्पताल में गंभीर स्थित में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रेफर कर दिया। इस दौरान बच्चे ने रास्ते में दम तोड़ दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया।

सदर थाना एएसआई अशोक कुमार ने बताया-मृतक मूल्याकापुरा निवासी चंदन (15) पुत्र ज्ञान सिंह है। सर्जन डॉक्टर मनोज जांगिड़ ने बताया कि रविवार को दोपहर के वक्त गम्भीर रूप से घायल बालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जिसमें थ्रेसर मशीन से बालक के हाथ और पैर गम्भीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिसका प्राथमिक उपचार कर गम्भीर हालात होने पर जयपुर के लिए रेफर किया गया था। परिजनों ने बताया किजयपुर ले जाते समय 3 बजे सिकंदरा के पास बालक ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद शव लेकर राजकीय जिला अस्पताल पहुंचे। शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया। परिजनों ने बताया कि 12 साल पहले बच्चे के पिता की मौत हो चुकी है। मृतक बालक के बड़े भाई व दो बड़ी बहनें है। परिवार में वह सबसे छोटा पुत्र था। मामले में परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कार्रवाई के दौरान कोई रिपोर्ट नहीं दी।

- प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया, इस दौरान बच्चे ने रास्ते में दम तोड़ दिया

मोबाइल चोर गिरफ्तार, 11 मोबाइल बरामद

उदयपुर, (निसं)। टीडी थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से ग्यारह मोबाइल बरामद किए।

प्रकरण के अनुसार 27 सितंबर को नवीनक प्रकाश पूर्बिया पुत्र मोहनलाल निवासी बनोड़ा सलूम्बर हाल टीडी नाल रामदेव होटल ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि में टीडी में होटल चलाता हूं। 24 सितंबर तड़के अज्ञात आरोपी दो मोबाइल व 700 रूपये नकदी चुरा ले गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी भगा उर्फ भगवतीलाल पुत्र शंकरलाल निवासी गिंगला सलूम्बर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से विभिन्न स्थानों से चोरी किए गए 11 मोबाइल बरामद किए। आरोपी के खिलाफ 7 आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

'पूर्व महाराजा सूरजमल की छतरी तोड़ना लोगों की आस्था से खिलवाड़'

कोटा, (निसं)। कोटा उत्तर पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने तुलसी गांव बूंदी में पूर्व नरेश सूरजमल हाड़ा की 500 साल से भी ज्यादा पुरानी रियासतकालीन छतरी को केडीए द्वारा तोड़े जाने पर गहरी आपत्ति दर्ज कराई है।

गुंजल सोमवार को बूंदी के तुलसी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करके कहा कि यह छतरी तोड़ने का विषय नहीं है। पूर्व महाराजा सूरजमल हाड़ा की छतरी तोड़ना लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि सर्व समाज इसमें गहरी आपत्ति प्रकट करता है हमें भी आपत्ति है। गुंजल ने कहा सर्व समाज जो भी निर्णय करेगा उसमें हम उनके साथ है। उन्होंने कहा कि यह कोई अतिक्रमण करके बनी छतरी नहीं है। यहां आकर मेरी जानकारी में आया है कि उनकी 14 बिस्वा आवंटित खाते की जमीन पर बनी छतरी को केडीए ने बिना ग्रामीणों से चर्चा करे मवालियों की तरह आकर तोड़ दिया है जो लोगों की आस्था के साथ मजाक है। गुंजल ने कहा यह सिर्फ राजपूत समाज ही नहीं सर्व समाज की आस्था का प्रतीक है। जिसके चलते समाज जो भी निर्णय करेगा उसमें हम उनके साथ हैं।

कोटा में पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल पूर्व महाराजा सूरजमल की तोड़ी हुई छतरी के पास पहुंचे।

बाइक चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से बाइक बरामद की।

जानकारी के अनुसार 10 जुलाई को हेमन्त कुमार पुत्र महेश कुमार टेलर निवसी नटराज गली ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 30 जून रात में मकान के बाहर बाइक खड़ी की थी, जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सुरेश पुत्र रावा निवासी आवरीमाता कच्ची बस्ती हिरणमगरी एवं दीपेश राज उर्फ दीपक पुत्र रमेशको दस्तयाब कर पूछताछ की तो दोनों ने बाइक चोरी करना स्वीकार किया।

छत से गिरकर चार साल के बालक की मौत

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षैत्र की देवल ग्राम पंचायत के बाघपुरा गांव में मकान की छत पर खेलते समय असंतुलित हो निचे गिरे चार साल के मासूम बालक की दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बाघपुरा निवासी बैजनाथ जाट उर्फ कालू का पुत्र भोलूराम जाट की मकान की छत पर सोमवार को उसका चार साल का मासूम बेटा छत पर खेल रहा था। इसी दौरान असंतुलित होकर छत से निचे गिरने पर बालक अचेत हो गया। मौजूद परिजनों ने तत्परता दिखाते हुये अचेत बालक को लाम्बाहरिसिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने अचेत बालक का स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बालक के दो बहिने हैं तो चाचा के चार बेटीयां है। दोनो ही भाईयो के परिवार मे ईकलोता बेटा था बालक भोलूराम। छः बहिनो के ईकलोते भाई की हुई मौत से परिवार सदमे मे चला गया। गांव मे कोहराम मच गया। जिसने भी सुना आंखें नम हो गई। सोमवार को मृतक के मौहल्ले मे चुल्हा तक नहीं जला।

चार साल का मासूम बालक।

युवक ने की आत्महत्या :- उदयपुर शहर के सविना थाना क्षैत्र में युवक ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर 9 निवासी दीपक दशोरा (46) पुत्र अशोक दशोरा ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। दीपक अपनी मां के साथ रहता था। दो माह पूर्व मां की मौत होने के बाद से वह मानसिक अवसाद में रहता था। इसी के चलते उसने अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। रविवार को इसका पता चलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक को निचे उतार पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हत्या का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने हत्या करने की नियत से युवक तलवार से प्राणघातक हमला करने वाले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हथियार तलवार बरामद की।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित नाहरसिंह पुत्र तेजसिंह निवासी भेवडिया गोगुन्दा ने 26 सितंबर को पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें पीड़ित ने बताया कि 25 सितंबर रात में परिवार सहित मकान में सोए थे।

देर रात में शराब के नशे में तलवार लेकर आया, जिसने सवेरे नौकरी जाने के लिए मेरे भाई जालमसिंह को बातचीत करने के लिए बुलाया। भाई के बाहर आने पर आरोपी तलवार से उस पर हमला कर फरार हो गया। चिल्लाने पर आए परिजनों ने उसे घायलावस्था में उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गोगुन्दा थानाधिकारी शैतानसिंह के नेतृत्व में एएसआई विनेश कुमार मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर ललित सिंह पुत्र वदनसिंह निवासी भेवड़िया गोगुन्दा को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हथियार तलवार बरामद की।

चार माह की उम्र में हुये बाल विवाह को 20 साल बाद पारिवारिक कोर्ट ने निरस्त किया

संभवतः पहली बार बाल विवाह निरस्त के प्रकरण में पारिवारिक न्यायालय ने तथाकथित पति से बालिका वधु को वाद खर्च भी दिलवाने का फैसला सुनाया

जोधपुर, (कासं)। महज चार महीने की उम्र में बाल विवाह की बेड़ियों में जकड़ी अनिता को करीब 20 साल तक दंश झेलने के बाद आखिर सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल से बाल विवाह से मुक्ति मिल गई।

जोधपुर के परिवारिक न्यायालय संख्या 2 के न्यायाधीश वरुण तलवार ने अनिता के बाल विवाह निरस्त का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। वहीं सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती के प्रयासों से संभवत: पहली बार बाल विवाह निरस्त के प्रकरण में पारिवारिक न्यायालय ने तथाकथित पति से बालिका वधु को वाद खर्च भी दिलवाने की अनूठी नजीर पेश कर फैसला सुनाया। इसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने बाल विवाह निरस्त के मुहिम पर अग्रसर रहकर अब तक 52 मासूम जोड़ों का बाल विवाह निरस्त करवाए हैं।

जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी किसान परिवार की बेटी 21 वर्षीय अनिता का महज 4 महीने की उम्र में बाल विवाह हुआ था, जिसके बाद से लगातार बाल विवाह का दंश झेलती रही। लगातार ससुराल पक्ष उसका गौना करवा कर ससुराल भेजने का दबाव बनाए हुए था। वहीं कई तरह से प्रत्यक्ष और परोक्ष धमकियां मिल रही थी। इस बीच अनिता को वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट और बीबीसी 100 इंस्पिरेशनल वूमन सूची में शुमार जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में जानकारी मिली। अनिता ने डॉ. कृति से मुलाकात कर खुद की पीड़ा बयां की। जिसके बाद डॉ. कृति ने अनिता के बाल विवाह निरस्त का वाद जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में दायर किया।

डॉ. कृति भारती ने पारिवारिक न्यायालय में अनिता की ओर से पैरवी कर बाल विवाह और आयु संबंधी तथ्यों से अवगत करवाया। जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या दो के न्यायाधीश वरुण तलवार ने अनिता के महज 4 महीने की उम्र में 20 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति के प्रयासों पर बालिका वधु को न्यायालय ने तथाकथित पति से वाद खर्च दिलवाने का फैसला देकर नई नजीर पेश कर दी।

न्यायाधीश तलवार ने बाल विवाह के खिलाफ समाज को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि बाल विवाह केवल कुरीति ही नहीं एक अपराध भी है। इससे बच्चों का भविष्य खराब हो जाता है। बालिका या बालक बाल विवाह को निरंतर नहीं रखना चाहते हैं तो उनको बाल विवाह निरस्त का अधिकार है। बाल विवाह की कुरीति को मिटाने के लिए समाज के स्तर पर महत्ती प्रयासों की जरूरत है।

डॉ.कृति ने अब तक 52 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त कराए :-देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाने के बाद लगातार मुहिम चलाकर डॉ. कृति भारती ने अब तक 52 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवा रिकॉर्ड कायम कर रखा हैं। देश में 2100 से अधिक बाल विवाह रुकवाए हैं। चाइल्ड एंड वूमेन राइट एक्टिविस्ट और एडवोकेट डॉ. कृति का नाम 9 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड्स बुक्स में दर्ज हो चुका हैं। डॉ. कृति को जिनेवा से ग्लोबल यूथ ह्यूमन राइट्स अवार्ड सहित कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। अनिता, बाल विवाह पीड़िता का कहना है कि कृति दीदी की मदद से मैं बाल विवाह की बंदिश से मुक्त हो गई हूं। अब मैं अपने पैरों पर खड़े होकर सपने पूरे करूंगी।

- जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी किसान परिवार की बेटी 21 वर्षीय अनिता का महज 4 महीने की उम्र में बाल विवाह हुआ था, 20 साल बाद न्याय मिला

ओलंपिक के लिए जाने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को दो लाख और प्रत्येक कोच को एक लाख का तैयारी अनुदान देने के प्रस्ताव को वित्त समिति, विशेषकर आईओए कोषाध्यक्ष सहदेव यादव ने रोक दिया। - पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष, पेरिस खेलों की भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी के लिए निर्धारित कोष को जारी करने से रोकने का आरोप लगाते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

कानपुर टेस्ट में भारत की शुरुआत बेहद शानदार रही है। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट मैच में टी20 का तड़का लगाकर सबको हैरान कर दिया। बता दें कि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भले ही टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायमेंट ले लिया है, लेकिन फैंस ने उनको इसका आभास होने नहीं दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 क्रिकेट जैसी पारी खेली और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। बता दें कि, रोहित शर्मा दुनिया के पहले ऐसे ओपनर बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के जड़े।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते है क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते है।

दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश दौरे के लिये 15 सदस्यीय टेस्ट टीम घोषित

केपटाउन, 30 सितंबर। दक्षिण अफ्रीका ने अगले महीने होने वाले बांग्लादेश के टेस्ट दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका ने 21 अक्टूबर से शुरु होने वाले बांग्लदेश दौरे के लिए तीन स्पिनर वाली टीम में सेनुरन मुथुसामी ने एक साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। केशव महाराज और डेन पीट पर स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी होगी। इस टीम में एकमात्र मैथ्यू ब्रीट्जके अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। टेम्बा बावुमा दो मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीकी टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट ढाका में तथा दूसरा टेस्ट चटगाँव में आयोजित किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका टीम के मुख्य टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, बांग्लादेश का दौरा करना हमेशा से ही मुश्किल रहा है। उन्होंने कहा वे घरेलू मैदान पर एक मजबूत टीम हैं और हमें सामने आने वाली चुनौती के लिए तैयार रहना होगा। इसलिए हमने वहां सामने आने वाली परिस्थितियों के हिसाब से टीम चुनी है। उन्होंने कहा, हमारे पास तीन फ्रंटलाइन स्पिनर हैं और उनमें से सभी जरूरत पड़ने पर किसी भी समय अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। सेनुरन जैसे खिलाड़ी के लिए यह एक बेहतरीन मौका है, जिसमें बल्ले और गेंद दोनों से छाप छोड़ने की क्षमता है। हम वास्तव में यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह क्या कर सकते हैं। बांग्लादेश के लिए दक्षिण अफ्रीका टेस्ट टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोर्जी, केशव महाराज, एडन मारक्रम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेलटन और काइल वेरिन।

कुछ ओवरों का अभ्यास मिलना अच्छा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में काफी गेंदबाजी करनी होगी : बुमराह

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घरेलू श्रृंखला में अपना कार्यभार धीरे धीरे बढा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि आस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में काफी गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद भारतीय टीम को

आस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। बुमराह ने चौथे दिन के खेल से पहले मेजबान प्रसारक से कहा ,''आस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिये चतुर बनना होगा। इसलिये यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी।'' कानपुर टेस्ट में गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा ,'' मौसम हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा।'' भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह ने कहा ,'' मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट है। मैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।

भारतीय टीम के पाक दौरे पर फैसला

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा किराष्ट्रीय क्रिकेट टीम के अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के दौरे को लेकर अंतिम फैसला भारत सरकार को करना

है। पाकिस्तान 19 फरवरी से नौ मार्च तक एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है। शुक्ला ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के इतर संवाददाताओं से कहा, ''अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।हमारी नीति यह है कि अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए हम हमेशा सरकार की अनुमति लेते हैं। यह सरकार तय करती है कि हमारी टीम को किसी देश के दौर पर जाना चाहिए या नहीं।'' उन्होंने कहा, '' इस मामले में भी सरकार जो भी फैसला करेगी हम उसका पालन करेंगे।'' मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के बाद से भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ को द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है। दोनों टीमें का आमना सामना सिर्फ आईसीसी और एशियाई क्रिकेट परिषद के टूर्नामेंटों में होता है। बीसीसीआई आईसीसी से टूर्नामेंट को पाकिस्तान से हटाकर श्रीलंका या दुबई में आयोजित करने का अनुरोध कर सकता है। एशिया कप के बीते सत्र का आयोजन 'हाइब्रिड मॉडल' के तहत हुआ था। जिसमें भारत को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। इससे श्रीलंका ने टूर्नामेंटों के नौ मैचों की मेजबान की थी जबकि पाकिस्तान ने शेष चार मैचों की मेजबानी की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हालांकि चैम्पियंस ट्रॉफी को अपने देश से बाहर ले जाने के विचार के खिलाफ है। पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी हसल अली ने भी हाल ही कहा था कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करता है, तो टूर्नामेंट को उनके बिना ही आयोजित करना चाहिए।

विराट ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, 30 सितंबर। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की है। भारत ने महज 25 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छू लिया। ये किसी भी टेस्ट पारी में टीम का सबसे तेज 200 रन है। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इसके अलावा भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में नई उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 27 हजार रन पूरे हो गए हैं जो कि सचिन तेंदुलकर के नाम था।

बता दें कि, कानपुर टेस्ट के चौथे दिन रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारतीय पारी की शुरुआत बेहतरीन तरीके से की। दोनों बल्लेबाजों ने भारत को तूफानी शुरुआत देते हुए सबसे तेज 50 रन भारत के लिए पूरे किए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी इस गति को बरकरार रखते हुए सबसे तेज 100 रन, सबसे तेज 150, सबसे तेज 200 और सबसे तेज 250 न बनाने का रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज 100 और सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड पहले भी भारत के ही नाम था। उसने 2023 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ा था।

वहीं सबसे तेज 200 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था जिसे आज भारत ने तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ 2017 में 28.1 ओवर में सिडनी मैदान पर 200 रन जड़े थे। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 148 गेंद यानी 24.4 ओवर में 200 रन का आंकड़ा छुआ। इस दौरान विराट कोहली अर्धशतक जड़ने से चूक गए, उन्होंने 35 गेंद में 47 रन बनाए और शाकिब अल हसन के शिकार बन गए।

कब तक खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें

नई दिल्ली, 30 सितंबर। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के लिए टीमों के पास रिटेंशन फाइनल करने की डेडलाइन 31 अक्टूबर रखी गई है। आईपीएल फ्रेंचाइजी संयुक्त रुप से रिटेंशन और राइट- टू-मैच विकल्प चुन सकती है। अधिकतम 6 खिलाड़ी रिटेन हो सकते हैं, जिसमें पांच कैप्ड भारतीय और विदेशी और दो से ज्यादा अनकैप्ड भारतीय नहीं चुने जा सकते हैं। शनिवार को आईपीएल के संचालन

परिषद ने नियमों की घोषणा की। रिटेंशन में अगर कोई खिलाड़ी 31 अक्टूबर से पहले अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू कर लेता है तो उसको कैप्ड माना जाएगा। लेकिन अगर कोई रिटेन हुआ अनकैप्ड खिलाड़ी नीलामी से एक दिन पहले भी अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू करता है तो उसको अनकैप्ड ही माना जाएगा। आईपीएल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि, रिटेंशन और आरटीएम के लिए अपना संयोजन चुना आईपीएल फ्रेंचाइजी के अपने विकेट पर है। 6 रिटेंशन/ आरटीएम हो सकते हैं, जहां पांच अधिकतम कैप्ड खिलाड़ी और दो अधिकतम अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन

सवाई मान गार्ड कप-6 गोल टूर्नामेंट आज से

जयपुर, 30 सितंबर। राजस्थान पोलो मैदान पर सितंबर पोलो सीजन के अंतर्गत सवाई मान गार्ड 6 गोल का पोलो टूर्नामेंट का पहला मैच वी पोलो टीम और कानोता पोलो टीम के बीच शाम 4 बजे खेला जायेगा। इस टूर्नामेंट आर्मी रेड टीम, क्राईसल पोलो और जयपुर यूएसपीए टीम शामिल है। वी पोलो टीम के ओर से डीनो धनकड़, नीमित मेहता, अगंद कलान और जिर्राडो मजीनी होंगे।

रियो पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला दीपा मलिक ने मनाया 54वां जन्मदिन

नई दिल्ली, 30 सितंबर। आज भारतीय पैरालंपियन खिलाड़ी दीपा मलिक अपना 54वां जन्मदिन मनाया । दीपा मलिक ने खेल जगत में अपना एक विशेष स्थान बनाया है। पैरालंपिक खेलों में मेडल जीतने वाली दीपा मलिक पहली महिला भारतीय हैं। हालांकि उन्होंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया है, लेकिन उन्होंने कभी अपने हौसलों को कमजोर नहीं पड़ने दिया। दीपा खेल के अलावा सामाजिक और लेखन कार्य भी करती हैं। वर्तमान समय में दीपा मलिक हजारों-लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं।

जन्म और परिवार : हरियाणा के सोनीपत में 30 सितंबर 1970 में दीपा मलिक का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम बाल कृष्ण नागपाल, जोकि भारतीय सेना में थे। दीपा मलिक की जिंदगी में एक अहम मोड़ तब आया, जब साल 1999 में उनको स्पाइनल ट्यूमर हुआ। इसकी वजह से दीपा के शरीर के निचले हिस्से ने काम करना बंद कर दिया और उनको व्हीलचेयर पर निर्भर रहना पड़ा। हालांकि इस मुश्किल समय में भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने जीवन के नए अध्याय की शुरूआत करने पर फोकस किया।

खेल जगत में बनाया नाम : बता दें कि दीपा मलिक न सिर्फ खेलों में बल्कि सामाजिक और लेखन कार्य भी करती हैं। वहीं वह गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए अभियान भी चलाती हैं। साथ ही सामाजिक संगठनों के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। दीपा मलिक शॉट पुटर के अलावा बाइकर, तैराक, भाला और डिस्कस थ्रोअर भी हैं। रियो पैरालंपिक खेलों में उन्होंने रजत पदक जीतकर वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

पुरस्कार : साल 2012 में दीपा मलिक को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनका नाम भाला फेंक में एशियाई रिकॉर्ड में दर्ज है। जबकि साल 2011 में विश्व चैंपियनशिप में शॉटपुर और डिस्कर थ्रो में रजत पदक जीते थे। वहीं साल 2019 में दीपा मलिक को खेल रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। पैरालिंपिक खेलों में पदक जीतने वाली दीपा मलिक पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। वह ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थीं और घर पर बिस्तर पर थीं। दीपा की स्पाइनल ट्यूमर की सर्जरी तब हुई थी, जब उनके पति कर्नल विक्रम सिंह कारगिल में देश के लिए लड़ रहे थे।

बीसीसीआई के राष्ट्रीय अंडर-19 एकदिवसीय वीनू मांकड़ ट्रॉफी हेतु राजस्थान अंडर-19 टीम घोषित

जयपुर, 30 सितंबर। आरसीएएडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार बीसीसीआई द्वारा आगामी 4 व 12 अक्टूबर 2024 के दौरान नई दिल्ली में खेली जाने वाली राष्ट्रिय अंडर 19 एक दिवसीय वीनू मांकड़ ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर टीम का चयन राजस्थान जूनियर चयन समिति ने किया। राजस्थान अंडर 19 टीम की कप्तानी भरतपुर के कार्तिक शर्मा को सौंपी गयी व जयपुर के अभय शर्मा टीम के उपकप्तान होंगे।

कानपुर टेस्ट में केएल राहुल का बल्ला बोला, कपिल देव के खास क्लब में हुई एंट्री

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। चौथे दिन बारिश बाधा नहीं बनी, ऐसे में मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। बांग्लादेश टीम पहली पारी में 233 रन पर सिमट गई। जवाब में टीम इंडिया ने तूफानी शुरुआत की। सभी भारतीय बल्लेबाजों ने आते ही बांग्लादेशी गेंदबाजों को खूब परेशान किया। वहीं केएल राहुल ने भी कानपुर टेस्ट में

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारत को तूफानी शुरुआत दिलाई। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। इस बीच केएल राहुल ने 33 गेंदों में फिफ्टी जड़ी। इसके साथ ही वह दिग्गज कपिल देव के खास क्लब में शामिल हो गए। वह टेस्ट इतिहास में छठे सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जबकि इस लिस्ट में टॉप पर ऋषभ पंत हैं।

अश्विन ने बांग्लादेश के दो विकेट झटक कर मैच को बनाया रोमांचक

कानपुर, 30 सितंबर। यशस्वी जयसवाल (72) और केएल राहुल (68), विराट कोहली (47) और शुभमन गिल (39) रनों की शानदार पारियों के बाद रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश की दूसरी पार में दो विकेट झटकर दूसरे टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को मैच को रोमांचक बना दिया है।

बांग्लादेश ने सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम और जाकिर हसन ने दूसरी पारी में संभल कर खेलने का प्रयास किया। कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद आठवें गेंद आर अश्विन को थमाई और उन्होंने पहली ही गेंद को सार्थक करते हुए जाकिर हसन (10) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हसन महमूद (चार) को बोल्ड कर अश्विन ने बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय शादमान इस्लाम (नाबाद सात) और मोमिनुल हक (नाबाद शून्य) क्रीज पर मौजूद थे। भारत की ओर से अश्विन ने पांच ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये।

इससे पहले यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल,विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट पर 285 के स्कोर पर 52 रनों की बढ़त के साथ पारी घोषित कर दी थी।

बांग्लादेश को पहली पारी में 233 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारत की यशस्वी जयसवाल और कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट लिये 3.5 ओवर में 55 रन जोड़ डाले। चौथे ओवर में मेहदी हसन मिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड आउट किया। रोहित ने 11 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 23 रन बनाये।

15वें ओवर में हसन महमूद ने शतक की ओर बढ़ रहे जयसवाल को बोल्ड कर भारत को बड़ा झटका दिया। जयसवाल ने 51 गेंदों में दो छक्के और 12 चौकों की मदद से 72 रनों की पारी खेली। शुभमन गिल (39) ऋषभ पंत (9) रन बनाकर आउट हुये। विराट कोहली ने 35 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (47) रनों की पारी खेली। केएल राहुल ने 43 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (68) रन बनाये। रवींद्र जडेजा (आठ) और आर अश्विन (12) रन बनाकर आउट हुये। भारत ने 34.4 ओवर में नौ विकेट पर 285 के स्कोर पर पारी घोषित की।

बांग्लादेश की ओर से शाकीब अल हसन और मेहदी हसन मिराज ने चार-चार विकेट लिये। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले जसप्रीत बुमराह और अन्य गेंदबाजों ने वर्षा बाधित दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन बांग्लादेश की पहली पारी को 233 के स्कोर पर समेट दिया था। करीब ढाई दिन बारिश और आउटफील्ड गीला होने के कारण आज सुबह बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम का स्कोर 112 रन हुआ था कि जसप्रीत बुमराह ने मुशफिकुर रहीम (11) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने लिटन कुमार दास (13) को रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराकर बांग्लादेश को पांचवां झटका दिया। शकिब अल हसन (9) को अश्विन ने आउट किया। लंच के समय तक बांग्लादेश ने छह विकेट पर 210 रन बना लिये थे।

लंच के बाद बांग्लादेश का सातवां विकेट मेहदी हसन मिराज के रूप में गिरा। जमने का प्रयास कर रहे मेहदी हसन मिराज (20) को बुमराह ने गिल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद तैजुल इस्लाम (5) को बुमराह ने बोल्ड कर दिया। हसन महमूद (1) को मोहम्मद सिराज ने पगबाधा आउट किया। रविंद्र जडेजा ने खालिद अहमद (शून्य) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर बंगलादेश की पारी को समेट दिया। मोमिनुल हक (नाबाद 107) रहे। बांग्लादेश की पहली पारी 74.2 ओवर में 233 के स्कोर पर सिमट गई। इससे पहले लंच ब्रेक तक बांग्लादेश ने 67 ओवरों में छह विकेट के नुकसान के साथ 210 रन बनाए हैं। मोमिनुल हक 106 रन बनाकर खेल रहे और मेहदी छह रन बनाकर खेल रहे थे। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने 50 रन देकर तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन और आकाश दीप ने दो-दो विकेट लिये।

रविंद्र जडेजा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 300 विकेट लेकर तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच कानपुर में खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन भारतीय स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए हैं। खालिद अहमद उनका 300वां विकेट रहे। इसके साथ ही जडेजा ऐसा करने वाले भारत के कुल 7वें गेंदबाज और चौथे स्पिनर बने हैं। रविंद्र जडेजा के अलावा टेस्ट में भारत के लिए 300 या उससे ज्यादा विकेट अनिल कुंबले (619), आर अश्विन (524), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), ईशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) ने लिए हैं। वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो जडेजा 300 विकेट झटकने वाले दुनिया के 38वें गेंदबाज हैं। इसके अलावा वह भारत के पहले बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं, जिन्होंने 300 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में मुथैया मुरलीधरन के नाम सबसे ज्यादा विकेट (800) हैं।

इसके साथ ही भारतीय धरती पर जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2012 में खेला था। उन्होंने 46 मुकाबले खेले हैं और लगभग 20 की औसत से 219 विकेट लिए हैं। उन्होंने 11 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है। उन्होंने 2 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट भी लिए हैं। जडेजा ने भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कपिल देव (219) की बराबरी कर ली है।

वहीं जडेजा के टेस्ट करियर की बात करें तो, उन्होंने अपना पहला टेस्ट 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने 74 टेस्ट मैच खेले हैं इसकी 138 पारियों में लगभग 24 की औसत से 300 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 13 बार 5 विकेट हॉल किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है। जडेजा ने गेंद के अलावा बल्ले से भी कमाल किया है। उन्होंने 36.72 कि औसत से 3,122 रन भी बनाए हैं। उनके बल्ले से 4 शतक और 21 अर्धशतक भी निकले हैं।

हाइब्रिड एसआईएसग्रास क्रांति : क्या यह भारतीय क्रिकेट का भविष्य है

नई दिल्ली, 30 सितंबर। भारत में क्रिकेट के प्रति जुनून लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में खेल के उच्च गुणवत्ता वाले सर्फेस के महत्व को कम कर नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट के क्षेत्र में हाइब्रिड टेक्नोलॉजी की उभरती भूमिका को समझाते हुए इस खंड की वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, एसआईएस पिचेज के अंतरराष्ट्रीय बिक्री निदेशक श्री पॉल टेलर ने भारत की विभिन्न किस्म की जलवायु से जुड़ी चिंता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, एसआईएसग्रास हाइब्रिड पिचों को लचीलेपन के लिए डिज़ाइन किया गया है। एकीकृत प्राकृतिक घास और सिंथेटिक फाइबर उच्च तापमान और आर्द्रता का सामना कर सकते हैं, जिससे भारत की अलग-अलग जलवायु वाली परिस्थितयों में लगातार प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।''

टेलर ने आगे कहा कि एसआईएस पिच इंस्टॉलेशन के अलावा भी समर्थन प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया, ''हम इंस्टॉलेशन के बाद व्यापक सहायता प्रदान करते हैं, जिसमें शेड्यूल किए गए आकलन, अनुकूलित रखरखाव मार्गदर्शन और

निरंतर तकनीकी सहायता शामिल है। इससे पिचें लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं और हमारे ग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ मिलता है।''

टेलर ने आश्वस्त किया कि एसआईएस पिच इस क्षेत्र में अग्रणी इनोवेशन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया, हम लगातार सामग्री की मज़बूती, सुव्यवस्थित इंस्टॉलेशन प्रक्रियाओं और पर्यावरण की दृष्टि से वहनीय रखरखाव तकनीकों में प्रगति के लिए शोध एवं विकास कर रहे हैं।''

टेलर के अनुसार, हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का लाभ सिर्फ पिच की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया, ''हाइब्रिड पिच की मज़बूती अधिक सटीक रणनीतिक योजना बनाने में मदद करती है। मैच शेड्यूल अधिक सटीक हो सकते हैं, और टीमें खेल के सर्फेस के बारे ठोस जानकरी के साथ अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी ढंग से रणनीति बना सकती हैं।''

एसआईएस पिच के लिए का दृष्टिकोण स्पष्ट है। कंपनी भारतीय क्रिकेट को वह बुनियादी ढांचा प्रदान करना चाहती है जिसका वह हकदार है। खेल के लिए नवोन्मेषी, लचीले और सुसंगत सर्फेस की पेशकश कर, कंपनी खेल के स्तर को ऊपर उठाना चाहती है, ताकि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और प्रशंसक लगातार उच्च स्तर के खेल का आनंद ले सकें। ऐसा लगता है कि भारतीय क्रिकेट प्रौद्योगिकी क्रांति - एक बार में एक हाइब्रिड पिच - के लिए तैयार है।

भारत के पिस्टल और राइफल निशानेबाजी ने 10 मीटर मिश्रित टीम स्पर्धा में जीते कांस्य पदक

लीमा, 30 सितंबर। भारत की गौतमी भनोट और अजय मलिक की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम तथा लक्षिता और प्रमोद की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2024 में कांस्य पदक जीते। रविवार को पेरू की राजधानी लीमा के लास पालमास शूटिंग रेंज में प्रतिस्पर्धा करते हुए गौतमी और अजय ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच में क्रोएशिया के अनामरिजा तुर्क और डार्का टोमासेविक को 17-9 से हराया।

केवल एम.ओ.यू. नहीं करेंगे, परियोजनाओं को धरातल पर उतारेंगे- भजनलाल

राइज़िंग राजस्थान के दिल्ली रोड शो में 8 लाख करोड़ रूपए के एम.ओ.यू. साइन हुए

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल एक अक्टूबर को केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ कॉनक्लेव तथा प्रमुख देशों के राजनयिकों के साथ राउन्डटेबल में भाग लेगा।**
- **दिल्ली में ऊर्जा, पावर, ट्रांसमिशन, तेल और गैस, सी.एन.जी., लॉजिस्टिक्स तथा एग्रोटेक आदि क्षेत्रों में टाटा पावर, इण्डियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एन.एच.पी.सी, रियायंस बायो एनर्जी, टॉरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिन्द्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टी.एच.डी.सी. इंडिया, ऑयल इण्डिया, ज़िन्दल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इन्द्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक तथा जे.के. सीमेण्ट के साथ एम.ओ.यू. किये गये।**

नई दिल्ली, 30 सितंबर। "राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" के तहत आज देश की राजधानी नई दिल्ली में 'इन्वेस्टर मीट' का आयोजन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किया गया। 'इन्वेस्टर मीट' के दौरान राजस्थान में निवेश के लिए राज्य सरकार के ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन और विभिन्न कंपनियों के बीच 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश संबंधी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। आज हुए एमओयू के साथ, प्रदेश में निवेश के लिए किए गए एमओयू का कुल मूल्य 12.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो 2047 तक राज्य को 'विकसित राजस्थान' में बदलने के राजस्थान सरकार के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के दृढ़ विश्वास को दर्शाता है।

दिल्ली में आयोजित इस 'इन्वेस्टर मीट' में मुख्यमंत्री शर्मा के अलावा राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और राजस्थान सरकार के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

इस 'इन्वेस्टर मीट' में उद्योग एवं व्यापार जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं और इस दौरान अक्षय ऊर्जा, पावर ट्रांसमिशन, तेल और गैस, सीएनजी, लॉजिस्टिक्स, एग्रोटेक जैसे कई क्षेत्रों में निवेश के लिए एम.ओ.यू. हुए। प्रदेश में निवेश के लिए जिन प्रमुख कंपनियों और औद्योगिक समूहों ने सरकार के साथ एमओयू किया, उनमें टाटा पावर, इंडियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एनएचपीसी, रिलायंस बायो एनर्जी, टॉरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया, ऑयल इंडिया, जिंदल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक्स, जेके सीमेंट, बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इस दौरान, देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को राज्य में निवेश करने और 9-10-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, राजस्थान एक परिवर्तनकारी युग की दहलीज पर खड़ा है और विकास और समृद्धि के लिए हमने एक नए दृष्टिकोण को अपनाया है। हमारी सरकार अगले पाँच वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करते हुए 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बनाने के लिए कृतसंकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक भूमि के अधिग्रहण और विकास को सरल बनाया गया है और निजी औद्योगिक पार्क योजना और लैंड एग्रीगेशन एंड मॉनटाइज़ेशन पॉलिसी जैसी पहलें शुरू की जा रही हैं, ताकि कारोबारियों को अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार का ध्यान केवल निवेश संबंधी एमओयू करने पर नहीं है, बल्कि उन्हें धरातल पर लाकर परियोजनाओं में बदलना है।

इस अवसर पर बोलते हुए उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि समावेशी और सतत विकास के लिए एक मानक भी स्थापित करे। मैं सभी निवेशकों से राजस्थान आने का आव्हान करता हूं। हमारे राज्य में निवेश करके, आप हमारे प्रचुर संसाधनों और स्ट्रेटैजिक लोकेशन का उपयोग करके मजबूत सप्लाई चेन और सहयोगी उपक्रम बना सकते हैं।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, यह इन्वेस्टमेंट समिट अगले 5 वर्षों में राज्य को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की शुरुआत है। राज्य में निवेश करने का यह उपयुक्त समय है।

इस अवसर पर उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने एक प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि राजस्थान दिल्ली से काफी नजदीक है और इस स्ट्रैटेजिक लोकशन का फायदा राज्य में निवेश करके निवेशक उठा सकते हैं।

इसके अलावा, 1 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के नेतृत्ववाला राजस्थान सरकार के अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, डेनमार्क, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, तुर्की, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ब्राज़ील, कतर, दक्षिण अफ्रीका जैसे प्रमुख देशों के राजदूतों/राजनयिकों के साथ एक राउंडटेबल की मेजबानी करेगा। इसमें राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों और निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों दिए जा रहे में फिस्कल/नॉन-फिस्कल इन्सेंटिव्स वगैरह की जानकारी दी जाएगी। इससे पहले, उसी दिन सुबह मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाला यह प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के कॉन्क्लेव में भी शामिल होगा और केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज) के चेयरमैन/सीईओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टी.टी.डी. की ओर से, वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि एक ही सप्लायर द्वारा जून तथा 4 जुलाई तक सप्लाई किया गया घी विश्लेषण (जाँच) के लिये नहीं भेजा गया। यह वही घी था, जो 6 और 12 जुलाई को दो टैंकरों से प्राप्त हुआ था।

बैंच ने पूछा, "जब आपने एस.आई.टी. से जाँच कराने के आदेश दिये हैं, जो प्रैस तक जाने की क्या जरूरत थी? जब आप किसी संवैधानिक पद पर हैं, तो हम यह अपेक्षा रखते हैं कि आप भगवान को राजनीति से दूर रखेंगे.....आप को जानकारी जुलाई में मिलती है, 18 सितम्बर को आप सार्वजनिक बयान देते हैं। अगर आप सुनिश्चित नहीं हैं तो आपने सार्वजनिक बयान कैसे दिया?"

कोलकाता की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी हाल ही में, ममता ने एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि ट्राम-ट्रैक हाज़रा रोड जैसे आम रास्तों पर परेशानी का कारण बन गये हैं।

उन्होंने कहा था कि उनके निवास-स्थान कालीघाट जाने वाली हाज़रा रोड बाइक वालों के लिये खतरनाक हो गई है। ट्राम-ट्रैक के कारण, उनके वाहनों के किसी भी क्षण फिसलने की आशंका रहती है।"

ट्राम-सेवा बन्द किये जाने के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक याचिका पहले से ही विचाराधीन है, जिसमें कहा गया है कि ट्राम 6-7 रु. प्रति व्यक्ति जैसे न्यूनतम किराये पर आवागमन सुविधा प्रदान कर रही हैं।

मुस्लिम लॉ बोर्ड के महासचिव का आमेर में 1,400 बीघा भूमि पर अवैध कब्जा- किरोड़ी लाल मीणा

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, इसमें मंदिर माफी, सिवाय चक व पुलिस को आवंटित भूमि शामिल है

- **डॉ. किरोड़ी ने कहा, फज़ल उर रहीम ने खड़गे, अशोक गहलोत, सिद्धारमैया, सलमान खुर्शीद, शरद पवार व स्टालिन आदि के साथ मिलकर देश में अशांति व अस्थिरता फैलाने का काम किया है।**

जयपुर, 30 सितंबर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव फज़ल उर रहीम ने जयपुर में मंदिर माफी, सिवाय चक और पुलिस विभाग को आवंटित करीब 1400 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। ऐसे ही अवैध कब्जे देश के कई राज्यों में किए हुए हैं।

किरोड़ी लाल ने कहा कि फजल उर रहीम अब कांग्रेस समेत विपक्षी राजनेताओं के साथ मिलकर संसद में पेश किये गये "वक्फ संशोधित बिल 2024" को लेकर देश में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति, जो वक्फ सहित मंदिर, ट्रस्ट एवं आदिवासियों की जमीन को बेचकर राष्ट्र विरोधी कार्यों में लिप्त है, वही व्यक्ति, एक संगठित गिरोह बनाकर वक्फ बिल का विरोध कर रहा है। इस मामले की ई.डी., सी.बी.आई. और एस.ओ.जी. से जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि फज़ल उर रहीम ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद, एन.सी.पी. के शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन सहित अनेक लोगों के साथ मिलकर देशभर में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ षडयंत्र रचकर आम मुस्लमान भाईयों को भड़काते हुए देश में अशांति और अस्थितरता फैलाने का काम किया है। एक ओर फज़ल उर रहीम द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वक्फ, ट्रस्ट और मंदिर माफी की जमीनों को हड़पा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर, खाड़ी देशों से अवैध धन प्राप्त कर देश -विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्टे आदेश के बावजूद, फज़ल उर रहीम और इसके भाई जिया उर रहीम ने कुछ लोगों के साथ मिलकर किशनपुरा, आमेर में 900 बीघा राजकीय भूमि पर कब्जा कर धर्म विशेष के लोगों की 12 अवैध कॉलोनी बसा दीं। इसके अलावा, किशनपुरा व आमेर में राजस्थान पुलिस विभाग को आवंटित 500 बीघा पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि फज़ल उर रहीम की बेटी सुल्ताना राजस्थान महिला कांग्रेस में महासचिव, दामाद मोहम्मद शोएब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सदस्य है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में अपनी बेटी-दामाद के साथ मिलकर फज़ल उर रहीम ने सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर लिया।

किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि फज़ल उर रहीम ने मंदिर माफी की जमीन पर एक दर्जन से अधिक अवैध कॉलोनियां बसा दीं।

इनमें कामां नगर, अशरफ कॉलोनी, जामिया नगर, कबीर नगर, इबादत नगर, मदीना नगर, हिदायत नगर, कलाम नगर, रंगरेज सिटी, एम के विहार, डायमंड नगर और स्टार सिटी शामिल हैं।

किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि फज़ल और जिया-उर-रहीम ने 2005 में फर्जी इकरारनामा के जरिए जामिया हिदायत ट्रस्ट, जयपुर और मौलाना अब्दुल रहीम एजुकेशनल ट्रस्ट की, जयपुर व अहमदाबाद में स्थित 18 से 20 बीघा भूमि करोड़ों रुपए में बेचकर इन पर समुदाय विशेष की अवैध कॉलोनियां बसा दीं। इन्होंने मुंबई में भी आदिवासियों की जमीन को बेचकर करोड़ों रुपए अर्जित किए। फज़ल ने मौलाना अब्दुल रहीम एजुकेशनल ट्रस्ट व मूसा फाउण्डेशन ट्रस्ट बना कर इन ट्रस्टों के बैंक खातों में करोड़ों रूपयों का लेनदेन किया, जो कि एफ.सी.आर.ए. का उल्लघंन है।

महाराष्ट्र सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने कहा प्राचीन काल से ही गायों का मानव जीवन में एक अनूठा महत्व रहा है। वैदिक काल से गायों के धार्मिक, वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व को देखते हुए उन्हें कामधेनु कहा जाता है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में गायों की अलग-अलग देशी नस्लें पाई जाती हैं, लेकिन दिन-ब-दिन देशी गायों की संख्या में भारी कमी आ रही है। देशी गायों के दूध में मानव आहार में अधिक पोषण मूल्य होता है। देशी गायों का दूध एक संपूर्ण आहार है, क्योंकि इसमें मानव शरीर के पोषण के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं।

रिपोर्टों के अनुसार महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने देशी गायों के पालन के लिए 50 रुपये प्रतिदिन की सब्सिडी योजना लागू करने का निर्णय लिया है क्योंकि राज्य में गोशालाएं अपनी कम आय के कारण इसका खर्च वहन नहीं कर सकती थीं, इसलिए उन्हें मजबूत बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया।

वायु सेना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट स्ट्रीम में नियुक्त किया गया था। लगभग 40 वर्षों की लंबी सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को संभाला है।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे अधिकारी एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं, जिनके पास रोटरी विंग विमानों पर 5,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।

दुनिया भर में बढ़ रही है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है और ऊर्जा खपत भी काफी कम है। भारतीय रेल्वे अपना नैटवर्क तेजी से बढ़ाना चाहता है और ट्रेनें की संख्या भी बढ़ाना चाहता है।

वंदे भारत ट्रेन को भारतीय रेल्वे की महत्वपूर्ण टैक्नीकल उपलब्धि माना जा रहा है। यह ट्रेन आधुनिक सुविधा सम्पन्न है, जैसे वाई फाई, जी.पी.एस., स्वचालित दरवाजे और आरामदायक सीटें, जिसकी वजह से विश्व के कई देशों को इनमें रुचि पैदा हो गई है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, गत दस सालों में रेल्वे ट्रैक में 31,000 किलोमीटर की वृद्धि हुई है और हमारा लक्ष्य इसमें 40,000 किलोमीटर की वृद्धि करने का है। वैष्णव ने बुलेट ट्रेन का ट्रैक बनाने पर भी जोर दिया और कहा कि काम पूरी रफ्तार से चल रहा है। सुरक्षा पर भी रेल्वे का पूरा ध्यान है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908